

साङ्गठनिक संरचना फेरबदल करैत एकीकृत समाजवादी

काठमाण्डू । नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी (एकीकृत समाजवादी) के आइ बैसबला स्थायी कमिटी बैसार पार्टी नेतासभके कार्य विभाजन तथा संरचनामे फेरबदल करत । आइ दुपहर केन्द्रीय कार्यालयमे

होएबला बैसारमे पार्टी अध्यक्ष माधवकुमार नेपालक नेतृत्वमे गठित कार्यदलद्वारा कार्यविभाजन भेल नेताक नामावली प्रस्तुत कएल जाएत ।

पार्टीक सचिव सोमप्रसाद पाण्डेयक अनुसार विभागीय

प्रमुख, जिला इञ्चार्ज, आयोग तथा जनसङ्गठन इञ्चार्जलगायत पदमे देल जाएबला जिम्मेवारीकेँ बैसार अनुमोदन करबाक अइछ । बुधदिनक बैसारमे अध्यक्ष नेपाल राजनीतिक प्रतिवेदन प्रस्तुत केने छलैथ ।

प्रधानसेनापति सिग्देलद्वारा भारतीय समकक्षीसङ भेटवार्ता

काठमाण्डू । मिलराष्ट्र भारतके औपचारिक भ्रमणमे रहल प्रधानसेनापति महारथी अशोकराज सिग्देल बुधदिन भारतीय स्थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदीसङ भेटवार्ता केलैन अइछ । सङे, ओ भारतीय राष्ट्रिय सुरक्षा

सल्लाहकार अजित डोभाल, चिफ अफ डिफेन्स स्टाफ अनिल चौहान, रक्षा सचिव आ विदेश सचिवसङ अलगेअलगे भेटघाट केलैन से सैनिक जनसम्पर्क तथा सूचना निर्देशनालय जनौलक अइछ ।

बुधेदिन, प्रधानसेनापति

सिग्देल भारतके नयाँ दिल्लीस्थित राष्ट्रिय समर स्मारकमे पुष्प गुच्छा अर्पण क वीर सहिदसभप्रति श्रद्धाञ्जली अर्पण केलैन ।

तहिना हुनक सम्मानमे भारतीय सेनाक एक टुकडी सम्मान गारत अर्पण केने छल ।

प्रतिभापलायन रोकबाक लेल नास्टक भूमिका आवश्यक

मोरङ । नेपाल विज्ञान तथा प्रविधि प्रज्ञा प्रतिष्ठान (नास्ट)केँ वैज्ञानिक, प्राविधिक आ विज्ञसभ उत्पादनक केन्द्र बनेबालेल पुनःसंरचना करबामे जोड़ देल गेल अइछ । आइ एत आयोजित नास्टके पुनःसंरचना सम्बन्धमे राय सुझाव सङ्कलनके लेल विज्ञसभसँ अन्तक्रियामे सहभागीसभ नास्टक विद्यमान संरचनासँ सोचलअनुसार प्रतिफल नै आइब सकल बतौलैन अइछ । सहभागीसभ प्रतिभापलायन

रोकबाक लेल नास्टकेँ आवश्यक काज करबाक लेल जोड़ देलैथ । ओसभ नास्टकेँ मानित विश्वविद्यालयक अवधारणाअनुसार नयाँ संरचनागत ढाँचामे सञ्चालन कएलापर वैज्ञानिक आ प्राविधिक उत्पादनमे अधिकतम फाइदा होबाक विचार व्यक्त केलैन । कार्यक्रममे नास्टक प्रवक्ता डा सुरेशकुमार दुङ्गेल नास्टके पुनःसंरचनाक आवश्यकता, तकरा लेल आवश्यक विषयवस्तु, सम्भावना आ चुनौतीबारे कार्यपत्र प्रस्तुत

केलैन । कार्यक्रममे कोशी प्रदेश योजना आयोगक उपाध्यक्ष डा राजेन्द्र अधिकारी, सदस्य प्रमीला गच्छेदारलगायत विभिन्न विश्वविद्यालयक पदाधिकारी, विभिन्न क्याम्पसक क्याम्पस प्रमुख आ सरोकारवालासभके सहभागिता रहल छल । नास्ट विराटनगर आ पोखरामे विज्ञसभसँ बातचितक बाद काठमाण्डूमे सम्बन्धित मन्त्रालयसङ बातचित क अपन उद्देश्यबारे जानकारी करेबाक कार्यक्रम राखने अइछ ।

मधेशक पत्रकार चुनावमे व्यस्त

महोत्तरी । सबदिन आनके खबर लिखनिहार पत्रकार एखन अपने खबरके विषय बनल छैथ । नेपाल पत्रकार महासङ्घके केन्द्र, प्रदेश, जिलाशाखा आ प्रतिष्ठान शाखासभके काइल होएबला निर्वाचन हुनकासभकेँ खबरके विषय बनेने अइछ । मधेशक पत्रकार माते नै देशभैरक सञ्चारकर्मी एखन चुनावमे व्यस्त छैथ । बुद्धिजीवी, विश्लेषक आ पत्रकारिता

क्षेत्रमे अभिरुचि राखनिहार सबके बीच चुनावी चर्चा छै । महासङ्घ केन्द्रीय समितिक पदाधिकारी आ विभिन्न क्षेत्र (क्लष्टर)सँ प्रतिनिधित्व होबाक केन्द्रीय सदस्यक लेल उमेद्वारसभ समूहमे आ असगरे असगर भोट मांगैत छैथ । मधेश प्रदेशमे किछ स्वतन्त्रसहित तीन समूह चुनावी प्रतिस्पर्धामे अइछ । वर्तमान प्रदेश महासचिव पर्साक श्याम वज्जारा, सप्तरीक अवधेश झा आ

वीरगंजसँ डिजेल आयात घटल

वीरगंज । वीरगंजसँ डिजेल आयात घटल अइछ । चालु आर्थिक वर्षके प्रथम चाइर महिनामे डिजेलके आयात नओ दशमलव ४१ प्रतिशत घटल वीरगञ्ज भन्सार कार्यालय जनौलक अइछ । डिजेल आयात घटलसङै राजस्व सेहो १५ दशमलव १६ प्रतिशत घटल अइछ । आव

२०८१÷८२ के चाइर महिनामे २१ अरब ८४ करोड़ आठ लाख ७६ हजार टकाक दू लाख ४६ हजार सात सओ १९ किलोलिटर डिजेलके आयात भेल छल । वितल आ.वके सएह अवधिमे ३० अरब १७ करोड़ ७६ लाख ४८ हजार टकाके डिजेल आयात भेल छल ।

प्रमुख भन्सार प्रशासक दीपक

लामिछाने पेट्रोलियम पदार्थ, सवारीसाधन आ कच्चापदार्थके आयात घटलासँ राजस्व सङ्कलनमे असर पड़ल बतौलैन । मोतिहारी—अमलेखगञ्ज पेट्रोलियम पाइपलाइनसँ डिजेल आयात भेल करैत अइछ त पेट्रोल ट्याङ्करेसँ नै पैठारी होइत आएल अइछ । नेपाल निर्माण व्यवसायी

पन्ध्र शय्याक अस्पताल भवन शिलान्यास

सप्तरी । जिलाक बोदेबरसाइन नगरपालिका-५ मे १५ शय्याक अस्पताल निर्माणके भवन आइ शिलान्यास कएल गेल अइछ । शलुघ्न हस्पिटल लगे रहल सार्वजनिक जमीनमे १५ शय्याक आधारभूत अस्पताल निर्माण करबाक लेल भवन शिलान्यास कएल गेल अइछ । तेहु कट्टा क्षेत्रफलमे १९ करोड़ ६२ लाख ४५ हजार २७ टकाक लागतमे अस्पताल निर्माण होब लागल नगरपालिकाक स्वास्थ्य शाखा संयोजक राज नारायण ठाकुर जानकारी देलैन । हुनक अनुसार नगरप्रमुख आतेश कुमार

सिंहके प्रमुख अतिथिमे भवन शिलान्यास कएल गेल अइछ । स्वास्थ्य तथा जनसङ्ख्या मन्त्रालय देशभैर पाँच, १० आ १५ शय्याधैरके अस्पताल नै भेल स्थानीय तहमे भवन बनेबाक योजना बनाएल अनुसार बोदेबरसाइनमे निर्माण प्रक्रिया आगू बढल संयोजक ठाकुर बतौलैन । अस्पताल सञ्चालनमे एलाक बाद सामान्य बेमार भेलो पर पालिकाबहार जेबाक बाध्यता अन्त होबाक हुनक कहब छैन । वि.सं २०८४ अगहनधैरमे सम्पन्न होबाक हिसाबे भवन निर्माणक जिम्मा काभेके न्यू ड्राइगन निर्माण सेवा प्रा.लिंकेँ देल गेल नगर कार्यालय जनौलक

श्री भगवती आधारभूत विद्यालय योगियाड़ा

विदेह न.पा.७, योगियाडा, जि. धनुषा, मधेश प्रदेश, नेपाल

स्था.-२०१६ बि.सं.

सूचना प्रकाशित मिति: २०८१/०८/२६ गते

उपरोक्त सम्बन्धी मिति २०८१/८/२५ गते वि.व्य.स.को बैठकको निर्णय अनुसार श्री भगवती आधारभूत विद्यालय योगियाड़ा, धनुषामा स्वीकृत रिक्त दरबन्दी संख्या-०१ (एक) प्राथमिक तहको लागि करार शिक्षक पद पूर्ति गर्नुपर्ने भएकोले सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ (पन्ध्र) दिन भित्र तपसिल अनुसारको योग्यता पुगेका इच्छुक उम्मेदवारहरूले दरखास्त दिनु हुन यो सूचना प्रकाशित गरिएको छ।

तपसिल

- विज्ञापन नं. ०१/२०८१/०८२
- दरखास्त दिने अन्तिम मिति : २०८१/०९/१० गतेसम्म कार्यालय समय भित्र
- शैक्षिक योग्यता : माध्यमिक शिक्षा कक्षा १२ वा सो सरह उत्तिर्ण गरेको
- शिक्षक स्थायी अनुमतिपत्र प्राप्त गरेको हुनु पर्ने ।
- उमेर : १८ वर्ष पुरा भई ४० वर्ष नाघेको
- कुनै किसिमको नैतिक पतन तथा फौजदारी अभियोग नलागेको
- परिक्षा दस्तुर :- १००० (एक हजार मात्र)
- परिक्षाको किसिम : लिखित र मौखिक, आवश्यकता अनुसार प्रयोगात्मक
- संलग्न गर्नु पर्ने कागजातहरू :**
 - नेपाली नागरिकता प्रमाणको प्रतिलिपि
 - स्थायी अध्यापन अनुमतिपत्र तथा शैक्षिक योग्यता प्रमाणपत्रतहको प्रतिलिपि
 - पासपोर्ट साईजको फोटो २ प्रति
- सम्पर्क मिति: २०८१/०९/११ गते कार्यालयको समय भित्र
- सम्पर्क मोबाईल नं. ९८१६८०६८२५, ९८४४१३३७५७ प्र.अ.
- दरखास्त दिने स्थान: श्री भगवती आधारभूत विद्यालय योगियाड़ाको कार्यालय

प्रधानाध्यापक विरेन्द्र पूर्व

मनेबाक लेल उम्मेदवारके घरअंगना कार्यक्रम पुरा भेलो नै छै । एहि निर्वाचनमे पत्रकारक सङ्गठनसभ पुरना चुनावसँ अलग गठबन्धन केलक अइछ । नेपाल प्रेस युनियन आ प्रेस चौतारी नेपाल एकटा गठबन्धनमे अइछ तँ प्रेस सेन्टर नेपाल, समाजवादी प्रेस सङ्गठन आ प्रेस मञ्च नेपालसहितके सङ्गठन दोसर गठबन्धन बनेलक अइछ । केन्द्रसँ जिलाधैर ई गठबन्धनके प्रभाव देखल गेल अइछ ।

महासङ्घक अध्यक्ष रवि सिंह चालु आ.वक कातिक महिनाधैर निर्माण रूकलासँ डिजेल आयात घटल बतौलैन । ओ कहलैन, ‘सरकारके निर्माण क्षेत्रकेँ चलायमान बनेबाक चाही । जँ तेना नै होएत तँ पुँजीगत खर्च नै बढत ।’ तहिना, चालु आ.वके चाइर

उपप्रमुखसभकेँ अधिकार देबाक मांग

जनकपुरधाम । मधेश प्रदेशक धनुषा जिलाअन्तर्गत स्थानीय पालिकाक उपप्रमुख तथा उपाध्यक्ष वर्तमान संविधान तथा ऐन, कानुनमे भेल व्यवस्था अनुसार नगरपालिका तथा गाउँपालिकाक उपप्रमुखकेँ अधिकार नै देल गेल उपराग देलैन अइछ । धनुषाक स्थानीय पालिकाक उपप्रमुख—उपाध्यक्षके सहिद नगरपालिकामे आइ आयोजित अन्तरक्रिया कार्यक्रममे नगरपालिका तथा गाउँपालिकाक ऐन तथा कानुनमे स्पष्ट रूपमे अधिकार देलोपर व्यवहारमे कोनो अधिकार नै देल गेल चर्छ करैत कानुनअनुसार अधिकार देबाक मांग केलैथ । कमला नगरपालिकाक उपप्रमुख शिला मण्डल हमसभ सुविधा लेल माल उपप्रमुख नै भेल छी कहैत जनताक हकअधिकारक लेल निर्वाचित भेल बतौलैन । ओ जनताक हितमे काज करबाक हिसाबँ अधिकार देबाक मांग केलैन । ओ जनताक सेवासहित काज करबाक लेल आएल छी , सएह अनुसार वातावरण बना सहजीकरण क देबाक लेल प्रमुखकेँ आग्रह केलैन । जनकपुर उपमहानगरपालिकाक उपप्रमुख किशोरी साह गाउँपालिका तथा नगरपालिकाक प्रमुख कोनो

राय—सल्लाह नै क अपने मनसँ काज करबाक प्रचलनक कारण प्रमुख तथा उपप्रमुखबीच द्वन्द्व बढैत गेल बतौलैन । न्यायिक समितिक संयोजक उपप्रमुखकेँ बनेलोपर तकर प्रभावकारी कार्यान्वयन नै भ रहल हुनक कहब छलैन । बिध्यमान कानुनमे उपाध्यक्ष—उपप्रमुखकेँ न्यायिक समितिके संयोजक निर्धारण कएल गेल अइछ । स्थानीय तह सञ्चालन ऐन उपाध्यक्ष तथा उपप्रमुखकेँ अध्यक्ष तथा प्रमुख नै भेल अवस्थामे हुनक कार्यभार सम्हारब, गैरसरकारी सङ्घसंस्थाक क्रियाकलापके समन्वय कराएब, उपभोक्ताहित संरक्षणसम्बन्धी कार्यके समन्वय करब, योजना तथा कार्यक्रम अनुगमन तथा सुपरीवेक्षण क तकर प्रतिवेदन बैसारमे पेस करब, सभा तथा कार्यपालिकाद्वारा गठित समितिके काममे सहजीकरण आ समन्वय करब, कार्यपालिका तथा अध्यक्ष वा प्रमुख प्रत्योजन कएल वा निर्धारित न्यायसम्बन्धी कार्य करबाक व्यवस्था कार्यक्रममे प्रस्तुत प्रतिवेदनमार्फत जानकारी देल गेल अइछ । प्लान इन्टरनेशनल नेपालके सहयोगमे आसमान नेपालद्वारा आयोजित कार्यक्रममे गाउँपालिकाके काज, अधिकार क्षेत्र आ वर्तमान अवस्थाक बारेमे जानकारी देल गेल छल ।

धरानमे शैनदिनसँ योमरी महोत्सव

धरान । नेवा: देय दबु आगामी शैनदिनसँ तीनदिनधैर एत योमरी महोत्सवक आयोजना कर जारहल अइछ । दबुद्वारा बुधदिन पत्रकार सम्मेलन क धिमे नृत्यसहित महोत्सव होबाक जनौलक अइछ । पाँचम् संस्करणके ई महोत्सवमे दू सओ कलाकार

नृत्य प्रस्तुत से केन्द्रीय उपाध्यक्ष अनिल मास्के बतौलैन । नेपालभाषी समुदायमे यमरीपुन्ही अर्थात् योमरी पूर्णिमाक दिन (चाउर कुइट क आटासँ आ तिलसँ विशेष प्रकार वाष्पद्वारा पकाएल रोटी वा बगिया जैका) देवीदेवताकेँ अर्पण क प्रसादक रूपमे खेबाक चलन अइछ ।



धानको व्यापार: महोत्तरीको मनरा शिसवा नगरपालिका–६ मा चिसो मौसममा खुला आकाशमुनि बिक्री गर्न किसानले ल्याएको धान ।

तस्बिर: सञ्जीतकुमार मण्डल/रासस

विपि उद्यानको जग्गा खाली गर्न महानगरको अनुरोध



मधेशहट्टि वीरगंज । महानगरपालिकाले घण्टाघरस्थित वि.पी उद्यानको जग्गा खाली गर्न अनुरोध गरेको छ । बुधवार

वीरगंज महानगरपालिकाका प्रमुख प्रशासकिय अधिकृत अरविन्दलाल कर्णले एक सूचना जारी गर्दै वीरगंज महानगरपालिका वडा नम्बर ९ घण्टाघरस्थित वि.पी. उद्यानको जग्गा

खाली गर्न अनुरोध गरेका छन् । कर्णले जारी गरेको सूचनामा भनिएको छ, ‘घण्टाघरस्थित वि.पी. उद्यान हाताभिल सञ्चालमा रहेको तरकारी तथा फलफुल बजार १५ दिनभित्र खाली गरिदिनुहुन सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि यो सूचना प्रकाशन गरिएको छ ।’ साथै वीरगंज महानगरपालिका वडा नम्बर १६ नगवास्थित कृषि बजारको लागि निर्धारण गरिएको स्थानमा जान पनि वीरगंज महानगरले अनुरोध गरेको छ । यसअघि वि.पी. उद्यानको जग्गाको विषयमा परेको मुद्दा किनारा लागेपछि महानगरपालिकाले उद्यान बनाउने प्रक्रिया शुरु गर्न जग्गा खाली गराउन लागेको महानगर प्रमुख राजेशमान सिंहले बताए । उनकाअनुसार जुन परियोजनका लागि जग्गा बनाइएको हो, सोही परियोजनका लागि प्रयोग गर्नुपर्छ । उद्यानको जग्गा खाली गराए लगत्तै उद्यान निर्माणको काम थालनी गरिने सिंहले बताए ।

पन्ध्र शय्याको अस्पताल भवन शिलान्यास

मधेशहट्टि सप्तरी । जिल्लाको बोदेबरसाइन नगरपालिका–५ मा १५ शय्याको अस्पताल निर्माण गर्न आज भवनको शिलान्यास गरिएको छ । शत्रुघ्न हस्पिटल नजिकै रहेको सार्वजनिक जग्गामा १५ शय्याको आधारभूत अस्पताल निर्माण थालनी गर्न भवन शिलान्यास गरिएको हो । तेह्र कट्टा क्षेत्रफलमा १९ करोड ६२ लाख ४५ हजार २७ रुपैयाँ लागतमा अस्पताल निर्माण

हुन लागेको नगरपालिकाका स्वास्थ्य शाखा संयोजक राजनारायण ठाकुरले जानकारी दिए । उनका अनुसार नगरप्रमुख आतेशकुमार सिंहको प्रमुख अतिथिमा भवन शिलान्यास गरिएको हो । स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालयले देशभर पाँच, १० र १५ शय्यासम्मको अस्पताल नभएका स्थानीय तहमा भवन बनाउने योजना बनाए अनुसार बोदेबरसाइनमा निर्माण प्रक्रिया अघि बढेको संयोजक ठाकुरले बताए ।

अस्पताल सञ्चालनमा आएपछि सामान्य बिरामी हुँदा पनि पालिकाबाहिर पठाउनुपर्ने बाध्यता अन्त्य हुने उनको भनाइ छ । विसं २०८४ मङ्सिरसम्ममा सम्पन्न गर्नेगरी भवन निर्माणको जिम्मा काभ्रेको न्यू ड्राइगन निर्माण सेवा प्रालिले दिइएको नगर कार्यालयले जनाएको छ । भवन शिलान्यास कार्यक्रममा उपप्रमुख रेणुकुमारी साह, वडाध्यक्ष मोमोजिबुर रहमान, राजकुमार यादव, तपसी

यादव, नगरपालिकाका कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, स्वास्थ्य संयोजक ठाकुरलगायत स्थानीयको उपस्थिति थियो । तीन वर्षभित्र निर्माण सम्पन्न गर्नेगरी बहुवर्षीय ठेक्का प्रक्रिया अघि बढाउन स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालयको नीति योजना महाशाखाले सहमति दिएपछि सोही अनुसार कार्य भइरहेको नगरपालिका इञ्जिनियर दिनेश ठाकुरले जानकारी दिए ।

उपप्रमुखहरूलाई अधिकार दिनुपर्ने माग

मधेशहट्टि जनकपुरधाम । मधेश प्रदेशको धनुषा जिल्लाअन्तर्गत स्थानीय पालिकाका उपप्रमुख तथा उपाध्यक्षले वर्तमान संविधान तथा ऐन, कानुनमा भएको व्यवस्था अनुसार नगरपालिका तथा गाउँपालिकाका उपप्रमुखलाई अधिकार नदिएको गुनासो गरेका छन् । धनुषाका स्थानीय पालिकाका उपप्रमुख÷उपाध्यक्षको सहिद नगरपालिकामा आज आयोजित अन्तरक्रिया कार्यक्रममा नगरपालिका तथा गाउँपालिकाको ऐन तथा कानुनमा स्पष्ट रूपमा अधिकार दिए पनि व्यवहारमा कुनै अधिकार नदिएकाले कानुनअनुसार अधिकार दिन माग गरेका हुन् । कमला नगरपालिकाका उपप्रमुख

शिला मण्डलले आफूहरू सुविधा लिन माल उपप्रमुख नभएको बताउँदै जनताको हकअधिकारका लागि निर्वाचित भएर आएकाले जनताको हितका पक्षमा काम गर्नेगरी अधिकार दिन माग गरे । उनले जनताको सेवासहित काम गर्न आएकाले कुनैअनुसार वातावरण बनाएर सहजीकरण गरी दिन प्रमुखलाई आग्रह गरे । जनकपुर उपमहानगरपालिकाका उपप्रमुख किशोरी साहले गाउँपालिका तथा नगरपालिकाका प्रमुखले कुनै राय÷सल्लाह नगरी आफूखुसी काम गर्ने परिपाटीले प्रमुख तथा उपप्रमुखबीच द्वन्द्व बढदै गएको बताए । न्यायिक समितिको संयोजक उपप्रमुखलाई तोकिए पनि त्यो कार्य प्रभावकारी रूपमा अगाडि बढ्न नसकेको उनको

भनाइ छ । उनका अनुसार वर्तमान संविधानमा उपाध्यक्ष÷उपप्रमुखलाई न्यायिक समितिको संयोजक तोकेको छ । स्थानीय तह सञ्चालन ऐनले उपाध्यक्ष तथा उपप्रमुखलाई अध्यक्ष तथा प्रमुख नभएको अवस्थामा उनको कार्यभार सम्हाल्ने, गैरसरकारी सङ्घसंस्थाको क्रियाकलापको समन्वय गर्ने, उपभोक्ताहित संरक्षणसम्बन्धी कार्यको समन्वय गर्ने, योजना तथा कार्यक्रम अनुगमन तथा सुपरीवेक्षण गरी सोको प्रतिवेदन बैठकमा पेश गर्ने, सभा तथा कार्यपालिकाद्वारा गठित समितिको काममा सहजीकरण र समन्वय गर्ने, कार्यपालिका तथा अध्यक्ष वा प्रमुखले प्रत्योजन गरेका वा तोकैका न्यायसम्बन्धी कार्य गर्ने व्यवस्था कार्यक्रममा प्रस्तुत

प्रतिवेदनमा जानकारी दिइएको छ । प्लान इन्टरनेशनल नेपालको सहयोगमा आसमान नेपालद्वारा आयोजित कार्यक्रममा गाउँपालिकाको काम, अधिकार क्षेत्र र वर्तमान अवस्थाका बारेमा जानकारी दिइएको थियो ।

बिहान ५ बजे नै पिडिएफ उपलब्ध



मधेशहट्टिका प्रिय पाठक, तपाईं इन्टरनेटको पहुँचमा हुनुहुन्छ भने बिहान ५ बजे नै मधेशहट्टि इन्टरनेटमा पढ्न सक्नुहुनेछ । मधेशहट्टिको पिडिएफ तपाईंका लागि www.emadheshdristi.com मा बिहान ५ नबड्दै उपलब्ध छ ।

ब्राउन सुगरसहित चार नेपाली पक्राउ



मधेशहट्टि वीरगंज । नेपाल–भारत सीमा क्षेत्रमा सुरक्षा जिम्मेवारी सम्हालि रहेको एसएसबी र रक्सौल नकरदेई थाना टोलीले संयुक्त कारबाही गर्दै २७८ ग्राम ब्राउन सुगरसहित चार नेपाली नागरिकलाई पक्राउ

गरेको छ । पक्राउ परेका व्यक्तिहरूको पहिचान वीरगंज महानगरपालिका वडा नं १२ का विशाल कुमार, वडा नं ६ रेशमकोटीका आयुष अग्रवाल, बारा जिल्लाको नितनपुरका रामकिशोर साह कानु र पर्साको रामटोलका राजेश प्रसाद यादवको रूपमा

गरिएको छ । चारैजनालाई लागुऔषध नियन्त्रण ऐन (एनडीपीएस एक्ट) अन्तर्गत मुद्दा दर्ता गरी न्यायिक हिरासतमा पठाइएको छ । यसअघि पनि सो क्षेत्रमा मादक पदार्थसहितको तस्करीको घटना सार्वजनिक भइसकेको छ । स्याक र

ब्राउन सुगरको कारोबार तथा तस्करीका घटनाका कारण यो क्षेत्र बदनाम रहेको छ । तर, हालै आएका प्रहरी प्रमुख (एसपी) स्वर्ण प्रभातको नेतृत्वमा लगातार कारबाहीहरू भइरहेका छन्, जसले अपराधीहरूमाझ त्रास फैलाएको छ ।

रक्सौलबाट लागुऔषध ओसारपसारमा संलग्न पक्राउ



मधेशहट्टि वीरगंज । नेपाल–भारत सिमानामा लागुऔषध तस्करीविरुद्धको अभियानमा ठूलो सफलता हात परेको छ । भन्सार आयुक्त, पटनाको निर्देशनमा सञ्चालन गरिएको विशेष अभियान अन्तर्गत, रक्सौल सिमानाबाट दुई ग्यास च्याङ्कर पक्राउ गरिएको छ । नेपाल र झारखण्ड कोडरमाबाट आएका यी च्याङ्करमा लागुऔषध गाँजा र एलपीजी बरामद

गरिएको छ । पक्राउ परेका व्यक्तिहरूमा झारखण्ड कोडरमा निवासी ३४ वर्षीय सञ्जय पासवान र ३३ वर्षीय बहादुर यादव रहेका छन् । उनीहरूलाई सोधपूछ गर्दै भन्सार विभागले तस्करीमा संलग्न ठूलो सञ्चालसम्म पुग्ने प्रयास गरिरहेको छ । पक्राउ परेका च्याङ्करहरूबाट ८८ लाख ३५ हजार भारतीय रुपैयाँ बराबरको गाँजा र ८० लाख भारुको एलपीजी बरामद भएको छ । कुल बरामद सामग्रीको मूल्य १

करोड ६८ लाख ३५ हजार भारतीय रुपैयाँ रहेको बताइएको छ । नेपालबाट भारतमा लागुऔषध तस्करी व्यवस्थित तरिकाले भइरहेको छ । नेपाली गाजा शुद्ध र उच्च गुणस्तरको मानिन्छ, जसलाई पहाडी र तराई क्षेत्रका गोप्य स्थानहरूमा उत्पादन गरिन्छ । खुला सीमा र सजिलो आवतजावतका कारण तस्करीले लागुऔषध भारतका विभिन्न भागमा माफिया सञ्चालमार्फत पुर्‍याउँछन् ।

वीरगंजबाट डिजेल आयात घट्यो



लाख ४६ हजार सात सय १९ किलोलिटर डिजेलको आयात भएको थियो । गत आवको सोही अवधिमा भने ३० अर्ब १७ करोड ७६ लाख ४८ हजार रुपैयाँको डिजेल आयात भएको थियो । प्रमुख भन्सार प्रशासक दीपक लामिछानेले पेट्रोलियम पदार्थ, सवारीसाधन र कच्चापदार्थको आयात घट्दा राजस्व सङ्कलनमा असर परेको बताए ।

मोतिहारी–अमलेखगञ्ज पेट्रोलियम पाइपलाइनबाट डिजेल आयात हुने गरेको छ भने पेट्रोल च्याङ्करबाट नै पैठारी हुँदै आएको छ । नेपाल निर्माण व्यवसायी महासङ्घका अध्यक्ष रवि सिंहले चालु आवको कात्तिक महिनासम्म निर्माण क्षेत्र ठप्प रहेकाले डिजेल आयात घटेको बताए । उनले भने, ‘सरकारले निर्माण क्षेत्रलाई चलायमान गराउन जरुरी छ । त्यसो नगरे

पूँजीगत खर्च बढ्दैन ।’ त्यसैगरी, चालु आवको चार महिनामा १२ अर्ब ४२ करोड ६१ लाख ३७ हजार रुपैयाँको एक लाख ४२ हजार आठ सय ६५ किलोलिटर पेट्रोल आयात भएको छ । गत आवको सोही अवधिमा १३ अर्ब १८ करोड ४९ लाख ९० हजार रुपैयाँको एक लाख २९ हजार एक सय २६ किलोलिटर पेट्रोल आयात भएको थियो ।

‘कतिपय साथीहरूले मलाई भन्नुहुन्छ, माओवादी नामले गर्दा बर्बाद पाऱ्यो,



मधेशादृष्टि काठमाडौं । नेकपा माओवादी केन्द्रका अध्यक्ष पुष्पकमल दाहाल प्रचण्डले अन्तर्राष्ट्रिय भूमिकामा पनि विस्तारै पार्टीको भूमिका बढाउँदै लगेको बताएका छन् । नेपाल उद्योग व्यापार महासंघ तेस्रो वार्षिक साधारण सभा उद्घाटन कार्यक्रमलाई सम्बोधन गर्दै देशभित्रको जटिल राजनीतिक

स्थितिमा पनि पार्टीप्रति आकर्षण बढेको बताए । अध्यक्ष प्रचण्डले भने, ‘कतिपय साथीहरूले मलाई भन्नुहुन्छ, माओवादी नामले गर्दा बर्बाद पाऱ्यो, नाम फेर्‍यो भनेर गर्ल्योमगुल्योम आउँछ जस्तो गर्छन् साथीहरू, हामी ०६४ मा माओवादी नै थियौं । प्रत्यक्षमा त बहुमत नै ल्याएका थियौं । माओवादी भएरै ल्याएका थियौं । जनयुद्ध हुँदै शान्ति प्रक्रियामा आउँदा नै ल्याएका

थियौं ।’ उनले माओवादी विभाजित भएर केही गल्ती कमजोरी पनि गरेको कारणले बीचमा आफूहरू अलमलिएको बताए । उनले थपे, ‘हामी ठाउँ–ठाउँमा चिल्लियौं पनि । नयाँ बाटो हिँड्दा चिल्लिने रहेछ । उद्देश्यबाट होइन तर कदमहरू चाल्दा चिल्लियौं । त्यो माओवादी हो भन्न डराएर हल हुने होइन । बरु राम्रो

आचरण देखाएर जनतामा जोडिए मात्रै पत्याउने हो ।’ ‘अर्थतन्त्रलाई बलियो बनाउन सामूहिक प्रयासको खाँचो छ’ नेकपा (माओवादी केन्द्र)का अध्यक्ष पुष्पकमल दाहाल ‘प्रचण्ड’ले आत्मनिर्भर राष्ट्रिय अर्थतन्त्रको उद्देश्यमा केन्द्रित रहेर उद्योगी तथा व्यवसायी अगाडि बढ्नुपर्ने बताएका छन् । चितवनको भरतपुरमा बिहीबार नेपाल उद्योग व्यापार महासङ्घको तेस्रो साधारणसभाको उद्घाटन समारोहलाई सम्बोधन गर्दै उनले देशकोे अर्थतन्त्रलाई बलियो बनाउन मध्यमवर्गलाई माथि उठाउनुपर्छ भने । उनले भने, ‘दिनप्रतिदिन हाम्रो अर्थतन्त्र पर निर्भर हुँदै गएको छ । केही समय पहिले खाद्यान्नमा आत्मनिर्भर मात्रै नभएर निर्यात गर्ने देश अहिले खाद्यान्नलगायत धेरै कुरा आयात गर्ने देशमा परिणत भएको छ । यस्तो स्थितिमा आत्मनिर्भर अर्थतन्त्रलाई बलियो बनाउन सामूहिक प्रयासको खाँचो छ ।’ पूर्वप्रधानमन्त्री प्रचण्डले १८ महिना सरकारको नेतृत्व गर्दैगर्दा सुशासन सामाजिक न्याय र आर्थिक समृद्धिका लागि आफ्नो सम्पूर्ण उद्देश्य र मेहनत रहेको दाबि समेत गरे । उनले राष्ट्रिय आत्मनिर्भर अर्थतन्त्रको जगेर्ना गर्नका लागि निजी क्षेत्रलाई प्रोत्साहन गर्नुपर्छ भने ।

एनआरएन नागरिकताको नियमावली आउने तयारीमा छः परराष्ट्रमन्त्री

मधेशादृष्टि काठमाडौं । परराष्ट्र मन्त्री आरजू राणा देउवाले गैरआवासीय नेपाली नागरिकताको नियमावली निर्माणका लागि परराष्ट्र, गृह र कानूनमन्त्रीबीच एक खालको सहमति भई नियमावली निर्माणको क्रममा रहेको र छिट्टै सार्वजनिक गरिने उल्लेख गरेकी छन् । संविधान र ऐन आइसकेको परिप्रेक्ष्यमा राजनीतिक अस्थिरताका कारण गैरआवासीय नेपाली नागरिकताको नियमावली आउन ढिलाइ भएको

स्वीकार्दै परराष्ट्र मन्त्री देउवाले अहिले मन्त्रीस्तरमा सहमति भई अन्तिम तयारी भइरहेको प्रष्ट पारिन् । बुधबार बेल्जियमको लुभेनमा जनसम्पर्क समिति बेल्जियमले आयोजना गरेको स्वागत कार्यक्रममा बोल्दै परराष्ट्र मन्त्री देउवाले अहिले प्रदान गरिँदै आएको गैरआवासीय नेपाली नागरिकताले संविधान प्रदत्त अधिकार व्यवहारमा उपभोग गर्ने वातावरण नबनेकोले छिट्टै नियमावलीको आवश्यकता सरकारले महशुश गरेको स्पष्ट पारिन् ।

सो कार्यक्रममा बोल्दै उनले एनआरएनएका बारेमा सर्वोच्च अदालतबाट आएका दुई निर्णयहरूमा तादम्यता नदेखिएकोले तेस्रो पक्षको उजुरीमाथिको निर्णय सरकारले कुरिरहेको पनि बताइन् । इन्टरनेसनल कोर्ट अफ जस्टिस (आईसीजे) को जलवायु परिवर्तनसम्बन्धी अन्तर्राष्ट्रिय सुनुवाइमा सोमबार नेपालको भनाइ राख्न परराष्ट्रमन्त्री देउवा नेदरल्यान्ड्सको हेगको कार्यक्रममा आएकी थिइन् । राष्ट्रसंघको न्यायिक

निकायका रूपमा रहेको यो न्यायालयले समसामयिक विवादास्पद मुद्दाको निरूपण र खास विषयमा परामर्श दिने कार्य गर्दै आएको छ । अदालतको सोही जिम्मेवारीअनुरूप जलवायु परिवर्तनको विषयको कानुनी निरूपण हुनुपर्ने अथवा नपर्ने भनेर निकर्वाल गर्ने क्रममा अदालतले विश्वव्यापी परामर्श लिने सिलसिलामा नेपालकी परराष्ट्र मन्त्री सम्बोधन गर्न आएकी हुन् । जनसम्पर्क समिति बेल्जियमका अध्यक्ष सुभाष गुरुङको अध्यक्षतामा भएको

बुधबारको कार्यक्रममा समितिका पूर्व अध्यक्षहरू ध्रुव पौडेल, गंगाधर गौतम, सीता सापकोटा, सुभाष जोशी, पूर्ण तिमिल्सिना लगायतले प्रवासमा रहेका नेपालीहरूका समस्या र चुनौतीहरूबारे मन्तव्य व्यक्त गरेका थिए । यसैबीच राष्ट्रिय स्वतन्त्र पार्टी बेल्जियमका कार्यकर्ताहरूले परराष्ट्रमन्त्री देउवालाई प्रत्यक्ष रूपमा भेटेर ज्ञापन–पत्र दिन खोज्दा समय उपलब्ध नभएको गुनासो गरेका छन् ।

रवि लामिछानेलाई थप पाँच दिन हिरासतमा राख्न अनुमति

मधेशादृष्टि काठमाडौं । राष्ट्रिय स्वतन्त्र पार्टी (रास्वपा) का सभापति रवि लामिछानेलाई अदालतले थप पाँच दिन म्याद थप गरेको छ । जिल्ला अदालत कास्कीमा बिहीबार न्यायाधीश चन्द्रकान्त पौड्यालको इजलासले उनलाई थप पाँच दिन म्याद थप गरेर अनुसन्धान गर्न अनुमति दिएको हो । प्रहरीले अझै ९ दिन हिरासतमा राखेर अनुसन्धान गर्न अनुमति माग गरेको थियो । रविलाई बिहीबार अन्तिम पटक म्याद थपेर अर्को पटक अदालत उपस्थित गराउँदा अभियोजन पत्र पनि दायर गर्ने तयारी रहेको प्रहरी स्रोतले जनाएको छ । सहकारी ठगी प्रकरणमा गत कात्तिक २ गते काठमाडौँबाट पक्राउ परेका रविलाई पछिल्लो पटक थपिएको ४ दिनको म्याद बिहीबार सकिने भएकाले अदालत उपस्थित गराइएको थियो । पूर्व उपप्रधान तथा गृहमन्त्रीसमेत रहेका गोर्खा

मिडियाका पूर्व प्रवन्ध निर्देशक लामिछानेसहित पूर्व डिआइजी तथा गोर्खा मिडियाका पूर्व उपाध्यक्ष छविलाल जोशी, जीवी राईका साझेदार नेचर हब्रसका रामबहादुर खनाल र जीवीसँग जोडिएकी लिला पछाईलाई अदालतमा उपस्थित गराइएको थियो । सहकारी सम्बन्धि छानबिन गर्न गठित विशेष संसदीय समितिको सिफारिसमा सूर्यदर्शन सहकारी ठगी प्रकरणमा पक्राउ परेका लामिछानेसहितलाई सहकारी ठगीसँगै संगठित अपराध र सम्पत्ति शुद्धिकरणको कसुरमा अनुसन्धान भइरहेको छ । रवि संलग्न रहेका भनिएका सहकारी रहेको भन्दै पक्राउ पुर्जी जारी भएका जिल्लामा रविको बयान गराइएको छ । बुधबारमात्र रविलाई पर्सि हुँदै काठमाडौँ ल्याइएको थियो । संसदीय समितिको प्रतिवेदनले पोखराको सूर्यदर्शन, बुटवलको सुप्रिम बचत तथा ऋण सहकारी संस्था, काठमाडौँको स्वर्णलक्ष्मी सहकारी संस्था, साहारा चितवन बहुउद्देश्यीय सहकारी

संस्था, वीरगंजको सानो पाइला बचत तथा ऋण सहकारी संस्था र नेपालगञ्जको समानता सहकारीको रकम गोर्खा मिडियामा लगेर अपचलन गर्न रविको पनि संलग्नता देखाएको छ र ती सबै ठाउँमा रविको बयान गराइएको छ । सूर्यदर्शन सहकारीबाट ५ करोड ५८ लाख ९ हजार रुपैयाँ गोर्खा मिडियामा गएको देखिन्छ । जीबी राई नेतृत्वको देशभरका सहकारीबाट ६५ करोड प्रत्यक्ष रूपमा गोर्खा मिडिया नेटवर्कमा गएको समितिको प्रतिवेदनले देखाएको छ । समितिले गोर्खा मिडियामार्फत रकम अपचलन भएको भन्दै जीवी, रवि, छविलाल र कुमार रम्तेललाई कारबाही गर्न सिफारिस गरेको थियो । त्यसमध्ये जीबी फरारै छन् भने रवि र छविमाथि अनुसन्धान भइरहेको छ । झण्डै डेढ अर्ब अपचलन भएको सूर्यदर्शन सहकारीका कोषाध्यक्षसमेत रहेका कुमार रम्तेल भने पुर्पक्षका लागि कास्की कारागारमै थुनामा छन् ।

मधेशादृष्टि काठमाडौं । सङ्घीय मामिला तथा सामान्य प्रशासनमन्त्री राजकुमार गुप्ताले निजामती सेवालाई सुविधाका रूपमा नभइ जिम्मेवारीका रूपमा सदुपयोग गर्नुपर्ने बताएका छन् । नेपाल प्रशासनिक प्रशिक्षण प्रतिष्ठानले बुधबारदेखि सुरु गरेको ३९औँ आधारभूत प्रशासन प्रशिक्षण कार्यक्रम शुभारम्भ गर्दै उनले निजामती सेवा सुविधा नभइ जिम्मेवारी भएको बताएका हुन् । कर्मचारीले इमानदार भएर आफ्नो जिम्मेवारी पूरा गरे सुविधाहरू आफैं प्राप्त हुने उनको भनाइ छ । ‘निजामती सेवा भनेको जिम्मेवारी हो, सुविधा होइन भन्ने बुझ्नु

आवश्यक छ,’ मन्त्री गुप्ताले भने, ‘तपाइँहरूले पनि जिम्मेवारीलाई प्राथमिकतामा राख्नु होला । पहिला जिम्मेवारी पूरा गरौँ । सुविधा आफैं प्राप्त हुन्छ ।’ कर्मचारीहरूले गर्ने कामसँग देशको गरिमा जोडिएको भन्दै उनले राम्रो काम गरेमा सबैले सम्मान प्राप्त गर्ने बताए । कर्मचारी प्रशासनको क्षेत्रमा अनेक समस्या रहेको र ती समस्या समाधान गर्न देशले इमान्दार र लगनशील कर्मचारी खोजिरहेको चर्चा गर्दै मन्त्री गुप्ताले सामूहिक प्रयासबाट मात्रै ती समस्या समाधान गर्न सकिने विश्वास व्यक्त गरे । त्यसका लागि नवनिर्वाचित शाखा अधिकृतहरूमा टिकाउ

अठोट र हड् आत्मविश्वास विकास हुनुपर्नेमा जोड दिए । ‘हामीले नागरिकमा सरकार र सार्वजनिक सेवाप्रति भरोसा बढाउनु छ । त्यसका लागि हामीले हाम्रो व्यवहार सुधार गर्नुपर्छ । नागरिकलाई सम्मान गर्नुपर्छ,’ उनले भने । मन्त्री गुप्ताले लोकसेवाको परीक्षा पास गरे पनि कर्मचारीहरूले वास्तविक परीक्षा कार्यस्थलबाट दिनुपर्ने स्मरण गराए । कर्मचारीहरूको क्षमता विकास गर्न, आत्मविश्वास बलियो बनाउन र सबैलाई निजामती सेवाप्रति प्रतिवद्ध बनाउन ‘आधारभूत प्रशासन प्रशिक्षण’ अत्यन्तै महत्वपूर्ण हुने उनको भनाइ छ ।

त्रिभुवन विश्वविद्यालयमा साँच्चैको मेरिटोक्रेसी लागू हुनुपर्छः प्रधानमन्त्री



मधेशादृष्टि काठमाडौं । प्रधानमन्त्री तथा त्रिभुवन विश्वविद्यालयका कुलपति केपी शर्मा ओलीले साना कुरामा नअल्झिएर विश्वविद्यालयलाई प्रभावकारी बनाउनुपर्ने बताएका छन् । बिहीबार त्रिभुवन विश्वविद्यालयको नीति अधिवेशनलाई सम्बोधन गर्दै प्रधानमन्त्रीले मेरिटोक्रेसीमा प्रश्न उठ्न नहुने बताए । उनले

उपकुलपतिले नै विश्वविद्यालय चलाउने भन्दै आफूले हस्तक्षेप गरेको भनेर भएका प्रचारमा कुनै सत्यता नरहेको बताए । ‘उपकुलपतिलाई लागेको गर्न पाए हुन्थ्यो भनेर लागेको कुरा गर्नुचाहिँ विश्वविद्यालयको स्वायत्तता होइन’, प्रधानमन्त्री ओलीले भने, ‘त्यसो भएकाले हामी साना कुरामा नअल्झिएर विश्वविद्यालयलाई प्रभावकारी र सुदृढ बनाउनुपर्छ ।’

प्रधानमन्त्री ओलीले बुधबार मात्रै प्रधानमन्त्रीका कारण विलम्ब भयो भनेर अखबारमा छापिएको भन्दै निष्पक्ष र मेरिटोक्रेसीमा प्रश्न नउठ्ने गरी काम गर्न आफूले भनेको बताए । ‘मेरिटोक्रेसीमा प्रश्न नउठोस्, निष्पक्ष ढङ्गले काम होस् । मैले जहिले भन्ने त्यही हो’, प्रधानमन्त्रीले चलाउने कसरी भन्ने ख्याल गर्नुपर्ने बताए ।

माओवादी स्थायी समिति बैठक स्थगित

मधेशादृष्टि काठमाडौं । नेकपा माओवादी केन्द्रको स्थायी समिति बैठक स्थगित भएको छ । पार्टी उपमहासचिव गिरिराजमणी पोखरेलका अनुसार बिहीबार दिउँसो ३ बजेका लागि बोलाइएको बैठक बैठक स्थगित भएको हो । अध्यक्ष पुष्पकमल दाहाल प्रचण्ड उपत्यका बाहिर भएका कारणले बैठक स्थगित भएको उनले जानकारी दिए । ‘आजको

स्थायी समिति बैठक स्थगित भएको छ,’ उनले भने, ‘भोलि बिहान ११ बजे बैठक बस्छ ।’ नेताहरूका अनुसार बैठकबाट सरकारले संविधान संशोधनको प्रयास अगाडि बगउन खोजेकाले त्यसबारे पार्टीको धारणा तय हुनेछ । पुस ४ गते माओवादी केन्द्रको केन्द्रीय समितिको बैठक बस्दैछ । केन्द्रीय समितिको बैठकको तयारी र एजेण्डाहरूका विषयमा पनि स्थायी समिति बैठकमा छलफल हुने बताइएको

छ । यसअघि बसेको पदाधिकारी बैठकमा नेताहरूले प्रत्यक्ष निर्वाचित कार्यकारी प्रमुख, पूर्णसमानुपातिक निर्वाचन प्रणाली र संसद बाहिरबाट मन्त्री बनाउने व्यवस्थाका लागि संघर्ष गर्नुपर्ने बताएका छन् । यो विषयमा प्रतिपक्षमा रहेका दलहरूसँग समेत छलफल गरेर साझा रूपमा जाने र पार्टीको संरचना यो मुद्दा लिएर जनतामा जाने तयारी रहेको नेताहरू बताउँछन् ।

निजामती सेवा जिम्मेवारी हो सुविधा होइनः मन्त्री गुप्ता



प्रभु स्टील्सले ९८ करोडको आइपीओ निष्कासन गर्ने



मधेशदृष्टि काठमाडौं । प्रभु स्टील्स एन्ड हाइड्रो इन्भेष्टमेन्ट कम्पनीले ९८ करोड रुपैयाँ बराबरको आइपीओ निष्कासन गर्ने भएको छ । जसका लागि कम्पनीले कुमारी क्यापिटललाई सेयर निष्कासन तथा बिक्री प्रबन्धक नियुक्त गरेको छ ।

सम्झौतापत्रमा प्रभु एन्ड हाइड्रो इन्भेष्टमेन्ट कम्पनीका प्रमुख कार्यकारी अधिकृत दिलप्रसाद अधिकारी र कुमारी क्यापिटलको तर्फबाट प्रमुख मर्चेन्ट बैकिङ सविन बुढाथोकीले हस्ताक्षर गरे । कम्पनीले प्रतिकित्ता ५० रुपैयाँका दरले ९८ करोड रुपैयाँ बराबरको १ करोड ९६ लाख कित्ता आइपीओ निष्कासन गर्ने

जनाएको छ । हाल कम्पनीको अधिकृत पुँजी २ अर्ब ५ करोड रहेको छ भने जारी पुँजी २ अर्ब छ । कम्पनीको हाल १ अर्ब २ करोड संस्थापक समूहको चुक्ता पुँजी छ र आइपीओबाट आउने सर्वसाधारण समूहको ९८ करोड गरि कम्पनीको चुक्ता पुँजी २ अर्ब पुग्नेछ । यो कम्पनी गत २ वर्षदेखि सञ्चालन मुनाफामा रहेको छ । यस कम्पनीमा प्रभु केबलकार एन्ड टुरिजम लिमिटेड, प्रभु होल्डिङ्स एन्ड हाइड्रो डेभलपमेन्ट कम्पनी लिमिटेड र हाइड्रो होल्डिङ्स कम्पनी लिमिटेडको मुख्य लगानी रहेको छ । कम्पनीले जलविद्युत, कृषि, पर्यटन, विभिन्न उत्पादनमूलक उद्योग र साहसिक पर्यटनमा लगानी गर्दछ । यस कम्पनीको मुख्य उद्देश्य लगानीमूलक हो । दोस्रो बजारमा समेत यस कम्पनीको राम्रो उपस्थिति रहेको छ ।

मन्त्रीमाथि भएको आत्मघाती आक्रमणको राष्ट्रसङ्घद्वारा निन्दा

एएफपी काबुल । अफगानिस्तानस्थित संयुक्त राष्ट्रसङ्घीय नियोगले इस्लामिक स्टेट (आइएस) समूहले गरेको आक्रमणको निन्दा गरेको छ । राजधानी काबुलस्थित गृह मन्त्रालयको कार्यालयमा बुधबार अपराह्न भएको आत्मघाती बम विस्फोटमा परी शरणार्थी तथा स्वदेश फिर्तामन्त्री खलील योर रहमान हक्कानीको मृत्यु भएको थियो । अफगानिस्तानका लागि संयुक्त राष्ट्रसङ्घीय सहायता मिसन (युएनएएमए) ले पीडित

परिवारप्रति समवेदना प्रकट गर्दै भनेको छ, ‘स्थिरताको खोजीमा आतङ्कवादका लागि कुनै स्थान हुन सक्दैन ।’ कतार, साउदी अरब, पाकिस्तान र इरानसहित युरोपेली सङ्घ र अर्गनाइजेसन अफ इस्लामिक कोअपरेशनले पनि आक्रमणको निन्दा गरेको छ । संयुक्त राज्य अमेरिका र संयुक्त राष्ट्रसङ्घको प्रतिबन्धको सूचीमा रहेका हक्कानी तालिबानको दुई दशक लामो विद्रोहका क्रममा भएका केही हिंसात्मक आक्रमणका लागि जिम्मेवार हक्कानी नेटवर्कका संस्थापक

जलालुद्दीन हक्कानीका भाइ हुन् । उनी वर्तमान गृहमन्त्री सिराजुद्दीन हक्कानीका काका पनि हुन् । खलील योर रहमान हक्कानीको अन्त्येष्टि बिहीबार काबुलको दक्षिणमा पर्ने पक्तिरिया प्रान्तमा गरिएको छ । इस्लामिक स्टेट समूहले आक्रमणको जिम्मेवारी लिएको छ र एक आक्रमणकारीले मन्त्रालयभित्र आत्मघाती आक्रमण गराएको बताएको छ । सन् २०२१ मा तालिवान सत्तामा फर्किएपछि कुनै मन्त्रीलाई लक्षित गरी गरिएको

यो पहिलो आक्रमण हो । अफगानिस्तानमा सन् २०२१ मा तालिवान सेनाले कब्जा जमाएपछि अमेरिकी नेतृत्वको नेटो गठबन्धन सेनाविरुद्धको युद्ध अन्त्य भएपछि हिंसात्मक घटनामा कमी आएको छ । यद्यपि, इस्लामिक स्टेट खोरासानको नामले चिनिने आइएसको क्षेत्रीय शाखा अफगानिस्तानमा सक्रिय छ र यसले नियमित रूपमा सर्वसाधारण, विदेशी र तालिवान अधिकारीहरूलाई बन्दुक र बम आक्रमणबाट निशाना बनाउँदै आएको छ ।

एनपिएलः सुपर ओभरमा पोखराद्वारा विराटनगर पराजित



मधेशदृष्टि वीरगंज । नेपाल प्रिमियर लिग (एनपिएल) क्रिकेट प्रतियोगितामा पोखरा एभेन्जर्सले विराटनगर किङ्ग्सलाई सुपर ओभरमा १३ रनले पराजित गर्दै विजयी भएको छ । कीर्तिपुरस्थित त्रिवि क्रिकेट मैदानमा विराटनगरले जितका लागि दिएको एक सय ४० रनको लक्ष्य पछ्याएको पोखराले निर्धारित २० ओभरमा छ विकेट गुमाएर एक सय ३९ रन बनाएपछि खेल सुपर

ओभरमा पुगेको हो । एनपिएलमा यो पहिलो सुपर ओभर खेल हो । सुपर ओभरमा पोखराले पहिले ब्याटिङ गरेको थियो । विराटनगरका कप्तान सन्दीप लामिछाने बलिङमा आएका थिए । पोखराका रेमन राइफरले पहिलो र दोस्रो बलमा छक्का प्रहार गरे । तेस्रो बलमा सन्दीपले डट राखे । चौँथो बलमा राइफरले चौका प्रहार गरे । पाँचौँ र अन्तिम बलमा सन्दीपले एक-एक रन खर्चिए । समयमा विराटनगरले १९ रनको लक्ष्य पाएको थियो ।

विराटनगरका मार्टिन गणिल र निकोलस किर्तन मैदान उल्टिए । पोखराले बलिङमा पुन रेमन राइफरलाई ल्याएको थियो । पहिलो बलमा मार्टिन गणिलले एक रन बनाए । दोस्रो र तेस्रो बलमा किर्तनले एक-एक रन लिए । चौँथो बलमा किर्तनले डट बल खेले भने पाँचौँ बलमा एक रन लिए । पाँचौँ बल रेमनले वाइड दिए र अन्तिम बल डट राख्दै पोखराले विराटनगरमाथि सुपर ओभरमा १३ रनको जित निकालेको हो । त्यसअघि एक सय ४० रनको लक्ष्य पछ्याएको पोखराका लागि आन्द्रेस गौसले सर्वाधिक ३९ रन जोडे । त्यस्तै रेमन राइफरले ३४ रन जोडे । कप्तान कुशल भुर्तेलले ३१ रन जोड्दा दिनेश खरेल र मिचेल लिस्कले समान ११-११ रन बनाए ।

विराटनगरका लागि प्रतिस जिशीले चार विकेट लिए भने क्रिस सोलले दुई विकेट लिए । टस जितेर पहिला ब्याटिङ रोजेको विराटनगरले निर्धारित २० ओभरमा सात विकेट गुमाएर एक सय ३९ रनको योगफल बनाएको हो । विराटनगरका लागि स्कट एडवार्डसले सर्वाधिक ४५ रन बनाए । उनले ३५ बलमा ५ चौका प्रहार गरेका थिए । त्यसैगरी लोकेस बमले २६ रन बनाउँदाँ बासिर अहमदले २१ रन जोडे । निकोलस किर्तनले १९ रन, क्रिस सोलले सात र मार्टिन गणिलले पाँच रन बनाए ।

पोखराका लागि सागर ढकाल र रेमन रिफरले समान दुई/दुई विकेट लिए भने कप्तान कुशल भुर्तेल र दिनेश खरेलले समान एक/एक विकेट झारे ।

किबी खेतीबाट वार्षिक १० लाख आम्दानी



मधेशदृष्टि डडेल्धुरा । आलिताल गाउँपालिका–२ लामिटुडाका ४१ वर्षीय लक्ष्मण थापा मगरले व्यावसायिक रूपमा किबी खेती गरी वार्षिक १० लाख रुपैयाँ भन्दा बढी आम्दानी गर्दै आएका छन् । विसं २०७० देखि व्यावसायिक किबी खेती शुरु गरेका मगरको दैनिकी किबीको हेरचाह, गोडमेल, बजार व्यवस्थापनलगायतमा बिट्दै आएको हो । उनको बगानमा लटरम्म पाक्र लागेका ६० किन्टल जति किबी फलेको छ । शिक्षण पेसालाई छाडेर आधिकारिक रूपमा ‘ध्रुव कृषि फार्म’ दर्ता गरी व्यावसायिक किबी खेती थाल्नुभएका मगरले अहिले १५ रोपनीभन्दा बढी क्षेत्रफलमा खेती गरिरहेको

बताए । किबी खेतीमा सम्भावना देखेर यो पेसा अपनाएको बताउँदै उनले शुरुमा दोलखाबाट एक सय १० बोट ल्याएर खेती गरेको जानकारी दिए । मगरले उत्पादित कैलाली, डडेल्धुरा, बैतडी, काठमाडौँलगायत सुदूरपश्चिमका सातवटै पहाडी जिल्लामा बिक्री हुँदै आएको बताए । उनले भने, ‘यस वर्ष उत्पादन भएका किबी बगानबाट टिप्नु अगाडि ग्राहकको माग धान्न गाह्रो भएको छ ।’ किबी खेतीसम्बन्धी विभिन्न ठाउँमा पुगेर विज्ञहरूबाट तालिमसमेत लिएको भन्दै मगरले बिबिसी नेपाली सेवामा प्रसारण हुने ‘साझा सवाल’ कार्यक्रममा किबी खेतीबारे छलफल सुनेपछि शुरु गरेको जानकारी दिए । विसं २०७३ मा

पहिलो पटक तीन किन्टल उत्पादन बताउँदै उनले अहिले वार्षिक ७० देखि ७५ किन्टलसम्म उत्पादन हुने गरेको उल्लेख गरे । शुरुका वर्ष प्रतिकिलो पाँच सय रुपैयाँका दरले बिक्री गरेको जनाउँदै मगरले पछिल्लो समय बिक्री मूल्य घटे पनि उत्पादन बढी हुन थालेकाले आम्दानीमा वृद्धि भएको बताए । ‘किबी खेतीलाई अन्यबाली जस्तो दैनिक हेरचाह गरिरहनुपर्दैन । बगानभित्र आलु, सागसब्जीलगायत नगदेबालीको खेती पनि गर्न सकिन्छ’, उनले भने, ‘कम मेहनतमा बढी आम्दानी दिने हुँदा यसवर्ष थप विस्तार गर्ने तयारी गरिरहेको छु ।’ पछिल्लो समय ७५ किन्टलसम्म उत्पादन भएको बताउँदै मगरले आगामी

वर्षदेखि अनुमानित एक सय ५० किन्टलसम्म उत्पादन हुने गरी खेती विस्तार गर्न लागेको जानकारी दिए । हाल बिरुवा र फलबाट वार्षिक १० लाख रुपैयाँ भन्दा बढी आम्दानी गरिरहेका किसान मगर आगामी वर्षदेखि आम्दानी वृद्धि हुनेमा ढुक्का छन् । छ देखि आठ मिटरको दूरीमा रोपिने किबीलाई अन्य बालीलाई भन्दा कम मेहनत गर्दा पनि पर्याप्त उत्पादन लिन सकिने मगरले बताए । लहरे फलका रूपमा रहेका किबीले लगाएको तीन वर्षदेखि फलन शुरु भई ५० वर्षसम्म निरन्तर उत्पादन दिने गर्छ । किबी फललाई चाउरीपन, उच्च रक्तचाप, पोषण, छाला तथा मुटुका रोगीले सेवन गर्नु फाइदाजनक मानिने चिकित्सकहरू बताउँछन् । रासस

‘अन्तिम क्षणसम्म’ लड्ने दक्षिण कोरियाली राष्ट्रपतिको प्रतिबद्धता



एएफपी सियोल । दक्षिण कोरियाका राष्ट्रपति युन सुक योलले गत साता सैनिक शासन घोषणा गर्ने र देशको संसद्मा सेना तैनाथ गर्ने आफ्नो निर्णयको बचाउ गर्दै ‘अन्तिम क्षणसम्म’ लड्ने प्रतिबद्धता व्यक्त गरेका छन् । दक्षिण कोरियाली नेतालाई डिसेम्बरको पहिलो सातामा भएको सैनिक कानुनको घोषणा गर्ने ‘नाटकीय राजनीतिक भूमिका’ का सम्बन्धमा अनुसन्धानको एक भागको रूपमा विदेश यात्रामा प्रतिबन्ध लगाइएको छ । युनको यस कदमले सियोलका सहयोगीहरूलाई स्तब्ध पारेको थियो र दक्षिण कोरियालाई वर्षौंपछि गहिरो राजनीतिक उथलपुथलमा प्याँकेको थियो । शनिबारका लागि पुनः मतदानको तयारी गरिएको राष्ट्रपति युनविरुद्ध संसदमा महाभियोगको प्रस्तावबारे प्रतिक्रिया दिँदै युनले भने, ‘म अन्तिम क्षणसम्म दक्षिण कोरियाली जनताको पक्षमा लड्ने’ प्रतिवद्धता प्रकट गरेको छु ।’ उनले टेलिभिजनमार्फत् ‘राष्ट्रका नाममा’ सम्बोधन गर्दै भने, ‘म ती मानिसहरूसँग फेरि माफी माग्छु, जो सैनिक कानुनका कारण आश्चर्यचकित र चिन्तित भएका हुनुपर्छ ।’ कृपया, मलाई विश्वास गर्नुहोस् ।’ महाभियोगको मतदान स्थानीय समयअनुसार आगामी शनिबार (डिसेम्बर १४) साँझ ५:०० बजे हुनेछ । राष्ट्रपतिविरुद्ध विपक्षी गठबन्धनले दर्ता गरेको र एक पटक

मतदान हुने तयारी भइरहँदा सत्तारूढ पार्टीका करिब सबै सांसदले मतदान बहिस्कार गरेपछि प्रस्ताव विफल भएको थियो । महाभियोगको आवश्यक दुई तिहाइ बहुमत प्राप्त गर्न सत्तारूढ पिपुल्स पावर पार्टी (पीपीपी) का आठ सदस्यको समर्थन प्राप्त गर्न आवश्यक छ । बिहीबार पीपीपीका नेता हान दोङ–हुनले पार्टीका सदस्यहरूलाई बैठकमा उपस्थित हुन र ‘उनीहरूको विश्वास र अन्तस्करणअनुसार’ मतदान गर्न आग्रह गरेका छन् । प्रहरीले युनको राष्ट्रपति कार्यालयमा बुधबार छापा मार्ने प्रयास गरेको थियो तर राष्ट्रपतिको कार्यालयका सैनिक सुरक्षा गार्डले कार्यालय परिसरमा प्रहरी प्रवेशलाई अनुमति नदिएपछि प्रहरी फिर्ता हुनुपरेको थियो । प्रमुख विपक्षी डेमोक्रेयाटिक पार्टीले राष्ट्रपतिका कर्मचारी र सुरक्षा निकायले कानून कार्यान्वयनमा अवरोध पुऱ्याए थप कानुनी प्रक्रिया अघि बढाउने चेतावनी दिएको छ । दक्षिण कोरियाको राजधानी सियोलमा गत हप्तादेखि दैनिक प्रदर्शन भइरहेको छ र हजारौँ मानिस युनको राजीनामा मागिरहेका छन् । गत हप्ताको ‘सैनिक कानुन (मार्शल ल)’ घोषणा मा उनको कथित भूमिका को लागि युनका निकट सहयोगी गहन अनुसन्धानको भागिदार बनेका छन् । बिहीबार प्रहरीले सेनाको राजधानी रक्षा कमाण्डको मुख्यालयमा छापा मारेको बताएको थियो । युनलाई सैनिक शासन लागू गर्न आग्रह गरेको आरोप लागेका पूर्व रक्षामन्त्री किम योङ ह्युनले मङ्गलबार

जेलमै आत्महत्याको प्रयास गरेको बताइएको छ । किमलाई पहिलो पटक आइतबार हिरासतमा लिइएको थियो र पछि ‘विद्रोहको समयमा महत्वपूर्ण कर्तव्यहरूमा संलग्न भएको’ र ‘नागरिक अधिकारको प्रयोगमा बाधा पुऱ्घाउन पदीइ अधिकारको दुरुपयोग गरेको’ आरोपमा औपचारिक रूपमा गिरफ्तार गरिएको थियो । पूर्व गृहमन्त्री र ‘मार्शल ल’ भूमिकाको जिम्मेवारी सम्हालेका जनरललाई पनि विदेश यात्रामा प्रतिबन्ध लगाइएको छ । दुई जना वरिष्ठ प्रहरी अधिकारीलाई पनि बुधबार बिहान पक्राउ गरिएको छ । पीपीपीले युनको राजीनामा तत्काललाईलाई थामी राख्दै, उनले प्रधानमन्त्री हान डक सो र पार्टी प्रमुख हानलाई सत्ता हस्तान्तरण गर्न सहमत भएको जनाएको छ । तर, युनले विपक्षीले देशलाई ‘राष्ट्रिय सङ्कट’मा धकेलेको आरोप लगाउँदै बिहीबार त्यसको विरोध गरेका थिए । ‘विपक्षी दलको प्रभुत्व रहेको नेशनल एसेम्ब्ली उदार लोकतन्त्रको संवैधानिक व्यवस्थालाई ध्वस्त पार्ने कडी बनेको छ’, युनले टेलिभिजन सम्बोधनमा भने । उनले भने, ‘मार्शल ल’को घोषणासम्बन्धी कानुनी र राजनीतिक जिम्मेवारीबाट म पन्छिने छैन ।’ दक्षिण कोरियाली नेताले दक्षिण कोरियालाई उत्तर कोरियाली कम्युनिस्ट शक्तिबाट उत्पन्न हुने खतराबाट जोगाउन र राष्ट्रविरोधी तत्वलाई नियन्त्रण गर्न मार्शल लको घोषणा गरेको बताएको थियो ।



यहाँले अर्थमन्त्रालयको जिम्मेवारी सम्हालेको चार महिना वितिसकेको छ । यस अवधिमा अर्थतन्त्रका समस्या समाधान गर्न र अर्थतन्त्रलाई चलायमान बनाउन के पहल गर्नुभयो ?

अर्थ मन्त्रालयको जिम्मेवारी सम्हालेपछि हामी मुलुकको समग्र आर्थिक अवस्थाको बारेमा सुक्ष्म रुपमा जानकारी लिन, समस्या पहिचान गर्न र समाधान गर्नमा केन्द्रित भएका छौं । परिणामतः अर्थतन्त्रमा सुधारका सङ्केतहरु देखापरेका छन् । निजी क्षेत्रको आत्मविश्वास बढेको छ र लगानीको वातावरण बन्दै गएको छ । मन्त्रलयमा बहाल भएलगत्तै हामीले सय दिने कार्ययोजना बनायौं र तीमध्ये ९० प्रतिशत भन्दा बढी कार्यान्वनय गरेका छौं ।

मुलुकको अर्थतन्त्र सुधारका लागि हामीले अर्थ जगतका अनुभवी, विज्ञ र निजी क्षेत्रका छाता सङ्गठनका प्रतिनिधिहरु सम्मिलित उच्चस्तरीय आर्थिक क्षेत्र सुधार सुझाव आयोग गठन गरेका छौं । यसबीचमा हामीले नीतिगत क्षेत्रमा केही महत्वपूर्ण काम पनि सम्पन्न गरेका छौं । बीमा नियमावली, साना तथा मझौला सङ्गठित संस्थाको धितोपत्र निस्कासन तथा कारोबारसम्बन्धी नियमावली, भन्सार महसुल नियमावली, आन्तरिक राजस्व परिचालन रणनीति, भन्सार मूल्यालाई कारोबार मूल्यामा आधारित बनाउने रणनीति, सार्वजनिक संस्थानमा ऋण तथा लगानीसम्बन्धी नीति, आन्तरिक ऋण निस्कासन तथा व्यवस्थापन कार्यविधि पारित भई कार्यान्वनयमा आएका छन् । उपभोक्ताले डिजिटल माध्यमबाट गरेको खरिदको भुक्तानीमा तरेको मूल्य अभिवृद्धि करको १० प्रतिशत रकम सम्बन्धित खरिदकर्ताको बैंक खातामा फिर्तादिने कार्य प्रारम्भ भएको छ । तातोपानी भन्सार कार्यालयमा लगेज तथा भेइकल स्वयानर मेशिन प्रयोगमा ल्याइएको छ । भन्सार प्रज्ञापन पत्रको मुख्य मुख्य चरणको जानकारी निकासी तथा पैठारीकर्तालाई एसएमएस वा इमेल मार्फत गराउने प्रणाली सञ्चालनमा आएको छ । नागरिक बचतपत्र र वैदेशिक रोजगार बचतपत्रको अभौतिकिकरण (डिम्प्याट) को कार्य आरम्भ भएको छ ।

यहाँले धेरै काम भयो भन्नुभयो तर निर्माण व्यवसायीको भुक्तानी, राजश्व सङ्कलन, पूँजीगत खर्च लगायतका समस्या समाधान हुन त बाँकी नै देखिन्छ नि ?

हामीले जिम्मेवारी लिँदा अघिल्लो वर्ष भुक्तानी हुनुपर्ने दायित्व समेत बाँकी रहेको चिन्ताजनक अवस्था थियो । यस बीचमा बाँकी

भुक्तानी दायित्व पूरा गर्नका लागि अर्थ मन्त्रालयले सहजीकरण गरेको छ र क्रमशः भुक्तानी हुँदै पनि गएको छ । कानुन सम्मत ढंगले सिर्जित भुक्तानी दायित्व यथाशीघ्र पुरागर्ने क्रम जारी छ । आयोजनाहरुको वर्गीकरण र बहुवर्षीय स्रोत सुनिश्चितताका बारेमा विद्यमान द्विविधा हटाउने र स्पष्ट मापदण्डका आधारमा अघि बढ्ने प्रयास भइरहेको छ । विदेशी मुद्राको सञ्चिती, भुक्तानी सन्तुलन, विप्रेषण आप्रवाह, बैंकहरुमा तरलताको अवस्था, ब्याजदर जस्ता विषयहरुमा उल्लेखनीय सुधार भएको छ । पुँजीबजार चलायमान र सुधारोन्मुख अवस्थामा आएको छ ।

लामो समयदेखि अनिर्णित अवस्थामा रहेको धितोपत्र बोर्डको अध्यक्षको नियुक्ति भएको छ । गत आर्थिक वर्षको पहिलो चार महिनामा ३.२ प्रतिशत राजस्व वृद्धिदर रहेकोमा यसवर्षको सोही अवधिमा १७ प्रतिशतले वृद्धि भएको छ । राजस्व चुहावट नियन्त्रणका लागि केन्द्रीय दुरत गस्ती टोली परिचालन लगायतका विभिन्न उपायहरु अवलम्बन गरिएको छ । वैदेशिक सहयोग (अनुदान तथा ऋण) परिचालनको अवस्था तुलनात्मक रुपमा सकारात्मक बन्दै गएको छ ।

त्यसैगरी महङ्गी र मुद्रास्फिती नियन्त्रित अवस्थामा छ । पुँजीगत खर्च गतवर्षको पहिलो चार महिनाको तुलनामा यसवर्ष चार अर्बले बढी भएको छ । गैरआवासीय नेपालीले लगानी गर्ने गरी स्थापना गरिएको एनआरएनए डेभलपमेण्ट फण्ड कार्यान्वनयको चरणमा आइपुगेको छ । सरकारी स्वामित्वका बन्द्य तथा रुग्ण उद्योग तथा प्रतिष्ठानहरुको अवस्था यकिन गरी पुनः सञ्चालन गर्न र सञ्चालनमा रहेकाहरुको क्षमता विस्तार गर्न तयारी कार्य अघि बढाइएको छ । निजीक्षेत्र लगायत उत्पादनका हरेक क्षेत्रको मनोबल उठाउन सहयोग र सहजीकरण गरिएको छ । विश्व बैंकका एनुसार गत वर्ष ३.९ प्रतिशतमा खुम्चिएको आर्थिक वृद्धिदर यो वर्ष ५.१ प्रतिशत पुग्ने अनुमान गरिएको छ ।

नेपाल सन् २०२६ मा अतिक्रम विकसितबाट विकासोन्मुख राष्ट्रमा स्तरोन्नती हुने आधार तयार भइरहेको छ । केही हप्ता अघि हामीले इतिहासमै पहिलो पटक अन्तर्राष्ट्रिय क्षेत्रको प्रतिष्ठित संस्था फिच रेटिङबाट सोभरेन कन्ट्री रेटिङको काम सम्पन्न गरेका छौं र ‘डबल बि माइन्स’ नतिजा सार्वजनिक भएको छ । यसबाट नेपालको अवस्था दक्षिण एशियामा भारतपछिको दोस्रो स्थानमा छ भन्ने पुष्टि भएको छ । नेपाल लगानीका लागि अनुकूल गन्तव्य हो भन्ने सन्देश विश्वव्यापी रुपमा नै प्रवाह भएको छ ।

यहाँ त आफुले गरेका कामहरुप्रति सन्तुष्ट जस्तो देखिनुहुन्छ । तर आमनागरिक विशेषतः निजी क्षेत्रले चिन्ता व्यक्त गरिरहेका छन् । यस सम्बन्धमा के भन्नुहुन्छ ?

हामीले सबै समस्याको समाधान भयो भनेका छैनौं । हाम्रो अर्थतन्त्रका समस्याको बारेमा हामी जानकार नै छौं । समस्या समाधान गर्ने र अर्थतन्त्रलाई गतिशील बनाउन नेतृत्वदायी भूमिका निर्वाह गर्ने जिम्मेवारी हाम्रो हो, सरकारको हो भन्ने कुरामा स्पष्ट छौं । भन्न के खोजिएको हो भने हामीले जिम्मेवारी सम्हाल्दा विरासतले छाडेका समस्याको चाडमा उभिनुपर्ने अवस्था थियो । स्रोत व्यवस्थापन, विनियोजन कौशल र बजेट अनुशासनका प्रश्नमा अनेकन समस्याहरु थिए । एकै पटक हजारौं हजार आयोजना थप गरिएको, ३१ प्रतिशत वृद्धिको लक्ष्य राखेर विश्वास गर्न नसकिने स्रोत अनुमान गरिएको जस्ता गम्भीर समस्याहरु हाम्रा सामु उपिस्थित थिए । समग्र मागमा भारी गिरावट, उद्योगहरुको उत्पादनमा ६० प्रतिशतसम्मको गिरावट, निर्यातमा माल होइन, आयातमा पनि भारी मालामा गिरावट, रोजगारीमा कटौती, राजश्व परिचालन र पुँजीगत खर्चको चिन्ताजनक अवस्था, सरकार अनिवार्य दायित्व भुक्तानीबाट समेत पन्छिन खोजको अवस्थाका साथै बजेट निर्माणसँगै जोडिएर आएका अनेकन समस्याको चाड थियो । दुईचार महिनामा अर्थतन्त्रका यी सबै सङ्ग्रहीत समस्याको समाधान सम्भव थिएन ।

तर पनि यो छोटो अवधिमा उल्लेखनीय काम सम्पन्न भएका छन् । मूल कुरा मुलुक कता जाँदैछ र मुलुकको अर्थतन्त्र कता जाँदै छ भन्ने हो । हामीले मुलुकको अर्थतन्त्रलाई ओरालो लाग्नबाट रोकेका छौं र सकारात्मक दिशातर्फ फर्काएकाछौं । निजी क्षेत्र लगायत उत्पादनका हरेकजसो क्षेत्रमा आत्मविश्वास बढ्दै गएको छ । अर्थतन्त्रमा सुधारका सङ्केतहरु देखापरेका छन् र तिनीहरुलाई अझ प्रभावकारी बनाउनु पर्नेछ ।

बैंकमा सस्तो ब्याज र पर्याप्त तरलता छ तर त्यसलाई उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धिमा, रोजगारी सिर्जनामा परिचालन गर्नुपर्ने छ । निजी क्षेत्रका जायज सरोकारहरुलाई सम्बोधन गर्नुपर्ने छ ।

आम नागरिकलाई रोजगारी वा स्वरोजगारीसँग जोड्नु छ, उनीहरुको आयआर्जन बढाउनु छ र समग्र मागमा वृद्धि गर्नुछ । हो, हामी यही काममा लाग्दैछौं । हामी अर्थतन्त्रलाई चलायमान बनाउने र राजस्व परिचालन तथा पुँजीगत खर्च वृद्धिगर्ने कुरामा अझ बढी केन्द्रीत भैरहेका छौं ।

अब अलिकति फरक प्रसङ्गमा जाऔं । कांग्रेस र एमालेको बीचमा देखापरेको दरारले गठबन्धन पूरा अवधि चल्दैन् भन्ने चर्चा हुन थालेको छ । मतभिन्नताका बीचमा यस गठबन्धनलाई कसरी गन्तव्यसम्म पुर्‍याउनु हुन्छ ?

संविधान निर्माण भएपछि नेपाली जनताको चाहना सामाजिक न्याय सहितको समृद्धि हो । तर राजनीतिक अस्थिरताले हामीलाई त्यसतर्फ अघि बढ्न दिइरहेको थिएन । लामो इतिहास, योगदान र हैसियत भएका कांग्रेस, एमाले जस्ता पार्टीसँग बहुमत नहुने, साना दलहरुलाई जोडेर निर्माण गरिएको बहुमत लामो समय टिक्न र जनताको पक्षमा राम्रो डेलिभरी दिन नसक्ने समस्या हाम्रा सामु थियो । २०७९ सालमा निर्वाचित भएको प्रतिनिधिसभा भिलबाट राजनीतिक स्थायित्वसहितको विकासको यात्रा तय गर्न कांग्रेस एमालेको सहयाला बाहेक अर्को कुनै विकल्प थिएन । निर्वाचनपछिका थरी–थरीका गठबन्धनका अभ्यास र तीनका परिणामले पनि यही शिक्षा दिएको थियो । यही पृष्ठभूमीमा यो सरकार बनेको हो ।

नेपाली कांग्रेस र नेकपा (एमाले)को बीचमा कायम भएको यो राजनीतिक सहयाला कुनै काँचो धागोमा अडिएको छैन । यो निश्चित ध्येय र उद्देश्यमा आधारित छ । राजनीतिक स्थायित्वको बलमा संविधानको रक्षा र विकास, सबै प्रकारका अतिवाद र अस्थिरताका प्रवृत्तिहरुको अन्त्य, सामाजिक न्यायसहितको विकास र समृद्धि यो सहयालाको मुख्य उद्देश्य हो । मुलुकलाई सकारात्मक दिशामा लैजान वर्तमान प्रतिनिधिसभा भिल खोज्न सकिने यो अन्तिम विकल्प पनि हो । कांग्रेस र एमालेको बीचमा यो सहयाला नहोस् भन्नेहरु निकै सक्रिय थिए । तिनको प्रयासलाई असफल पारेर यो सहयाला सुरु भएको हो । अब पनि कांग्रेस र एमालेको बीचमा दरार सिर्जना गर्न र यी दुई प्रमुख पार्टीलाई अलग गर्नका लागि अनेक प्रकारका कौनस भएका छन् र भइरहने पनि छन् । तर हामीले त्यस्ता प्रयासहरुलाई परास्त गछौं ि राजनीतिक स्थायित्व सुनिश्चित गछौं । विकास, समृद्धि र सामाजिक न्यायको अभियानलाई तिब्र पार्छौं । जनतामा विशेषगरी युवा–युवतीमा, निजी लगायत उत्पादनका हरेक क्षेत्रमा आशा भर्छौं । यो सहयाला २०८४ को आम निर्वाचनसम्मका लागि हो । त्यतिबेलासम्म नै कायम रहन्छ, कसैले प्वालपार्ने वा भत्काउने चेष्टा नगरे हुन्छ ।

त्यसो भए यहाँले भन्नुभएजस्तै कांग्रेस र एमालेका बीचमा कुनै समस्या नै छैन त ?

तपाईंलाई आश्चर्य लाग्ला हाम्रा

बीचमा आजसम्म त्यस्तो कुनै गम्भीर समस्या सिर्जना भएकै छैन । हामीले सरकार सञ्चालनका लागि सम्माननीय प्रधानमन्त्रीज्यू, नेपाली कांग्रेसका सभापतिज्यू र दुवै पार्टीका शीर्ष नेताहरु सम्मिलित साझा संयन्त्र निर्माण गरेका छौं । संयन्त्र अन्तर्गत दुई पार्टीका चार–चार जना नेता सम्मिलित कार्यदल छ । महत्वपूर्ण विषयमा निर्णयमा पुगुअघि कार्यदल र संयन्त्रमा छलफल गर्ने प्रणालीको पनि विकास गरका छौं । जसले गर्दा समस्या सिर्जना हुनै पाउँदैन । संयन्त्र, कार्यदल र मन्त्रिपरिषदमा अत्यन्त जीवन्त र हार्दिक वातावरणमा छलफल हुने गरेको छ । हामीले यही प्रणालीलाई निरन्तरता दिन्छौं र सरकारमा सहभागी पार्टी, विशेषगरी नेपाली कांग्रेस र नेकपा (एमाले) बीचको आपसी सम्बन्धलाई यसरी नै २०८४ को आम निर्वाचनसम्म लैजान्छौं ।

प्रधानमन्त्री केपी शर्मा ओलीले हालैमात्र मित राष्ट्र चीनको औपचारिक भ्रमण सम्पन्न गर्नुभएको छ । यो भ्रमणलाई यहाँले कसरी हेर्नुभएको छ ?

स्वतन्त्र एवम् सार्वभौम राष्ट्रको जननिर्वाचित सरकार प्रमुखको हैसियतमा सम्पन्न भएको सम्माननीय प्रधानमन्त्री केपी शर्मा ओलीज्यूको चीन भ्रमण अत्यन्त सफल र ऐतिहासिक रह्यो । यस भ्रमणले नेपाल र चीनबीचको आपसी सम्बन्धलाई नयाँ उचाईमा उठाएको छ । भ्रमणका क्रममा विगतमा भएका सम्झौताहरुको कार्यान्वनयमा जोड दिनुका साथै नयाँ ऐतिहासिक महत्त्वका सम्झौताहरु पनि सम्पन्न भएका छन् । नेपालको आर्थिक विकास, विशेषगरी पूर्वाधार विकासमा यी सम्झौताहरुको विशेष र दूरगामी महत्त्व छ ।

तर पनि भ्रमणको प्रभाव त मिश्रित जस्तो देखियो नि । कांग्रेसकै कतिपय नेताले चीन भ्रमणका क्रममा भएका सम्झौता, विशेषगरी फ्रेमवर्क फर बिआरआई कोअपरेशन एग्रिमेण्टप्रति नकारात्मक टिप्पणी गरिरहेको देखिएको छ । भ्रमणको सफलतामथि प्रश्न खडा भएन र ?

होइन, विषयलाई त्यसरी बुझ्न हुँदैन । नेपाली कांग्रेसको आधिकारिक धारणालाई पार्टी सभापतिले प्रतिनिधित्व गर्नुहुन्छ भन्ने मैले बुझेको छु । कांग्रेसका पार्टी सभापति शेरबहादुर देउवाज्यूले सम्माननीय प्रधानमन्त्रीज्यूको चीन भ्रमणलाई अत्यन्त सफल भन्नुभएको छ । त्यति माल होइन उहाँले सम्माननीय प्रधानमन्त्री र उहाँको नेतृत्वको सरकारले राम्रो काम गरेको पनि बताउनुभएको छ । फ्रेमवर्क फर बेल्ट एण्ड रोड कोअपरेशन एग्रिमेण्टका बारेमा सम्झौता गर्नुपूर्व दुवै पार्टीको शीर्ष

नेतृत्व तहमा गम्भीरतापूर्वक छलफल भएको छ, के गर्ने के नगर्ने भन्ने विषयमा सहमति भएको छ । बिआरआई सम्झौतमा भएको हस्ताक्षर नेपाली कांग्रेस र नेकपा (एमाले) बीचको सहमति अनुरूप नै छ । कसैले यस विषयलाई उछालेर दुई प्रमुख पार्टीका बीचमा अन्तरविरोध सिर्जना गर्न सकिन्छ कि भन्ने ठानेको छ भने त्यो भ्रम माल हो ।

एमालेभित्रको अन्तरविरोधलाई भुसको आगोजस्तो अवस्थामा छ भन्छन् नि मानिसहरु । यस विषयमा यहाँको भनाई के छ ?

नेकपा (एमाले) एउटा यस्तो पार्टी हो, जहाँ नीति र नेतृत्वको प्रश्नमा कुनै मतभेद छैन । हामी जनताको बहुदलीय जनवादको मार्गदर्शनमा नेपाली समाजको क्रान्तिकारी रुपान्तरणका लागि क्रियाशील छौं । जनताको बहुदलीय जनवाद र दशौँ राष्ट्रिय महाधिवेशनका निष्कर्षहरुप्रति सिङ्गे पार्टी पङ्क्तिमा गहिरो विश्वास छ । त्यसैगरी पार्टी अध्यक्ष केपी शर्मा ओलीज्यूप्रति समस्त पार्टी पङ्क्तिको उच्च सम्मान र भरोसा छ । उहाँ वैधानिक व्यवस्था अनुरूपको निर्वाचित अध्यक्ष मात्र होइन, समस्त पार्टी पङ्क्तिको विश्वास जितेको आस्थाकोे अध्यक्ष हुनुहुन्छ । पछिल्लो दशकमा हाम्रो पार्टीले उपलब्धि र चुनौतीका जे–जस्ता झुङ्खला पारगर्दै आजको यो ठाँउसम्म आइपुगेको छ । उहाँको दूरदृष्टियुक्त, सुझबुझपूर्ण र साहसिक नेतृत्व नभएको भए त्यो सम्भव हुने थिएन । हो, पार्टीभित्र परिस्थिति वा घटना विशेषमा आधारित भएर असहमति वा अन्तरविरोधहरु देखा पर्न सक्तछन् तर हामीले तीनलाई तत्क्षण त्यही ठाउँमा समाधान गर्दै पार्टीको आन्तरिक एकतालाई अक्षुण्ण राख्छौं र पार्टीलाई एकतावद्ध बनाएर अघि बढाउँछौं । अब हुने नेकपा (एमाले)को एघारौँ राष्ट्रिय महाधिवेशन नीति र नेतृत्व दुवै प्रश्नमा पूर्ण सहमतिका साथ सम्पन्न हुनेछ । अन्य पदहरुमा निर्वाचन भएछ भने पनि मूल नेतृत्वमा, अध्यक्ष पदमा निर्वाचन हुने कुनै संभावना छैन । नेकपा (एमाले)लाई माल होइन, सिङ्गो राष्ट्रलाई सफल नेतृत्व प्रदान गर्नुभएका पार्टी अध्यक्ष केपी शर्मा ओलीज्यूका विरुद्ध कसैले उम्मेवारी दिन्छ भन्ने मलाई लाग्दैन ।

त्यसो भए के एघारौँ महाधिवेशनपछि पनि केपी ओली नै अध्यक्ष रहि रहनुहुन्छ ? तपाईंहरुसँग नेतृत्व गर्न सक्छु भन्ने आत्मविश्वास नभएको त होइन ?

प्रश्न आत्मविश्वासको होइन, प्रश्न सक्षम नेतृत्वको हो । हाम्रो पार्टी अध्यक्ष केपी शर्मा ओलीज्यूले नेकपा (एमाले)लाई माल होइन

सिङ्गो राष्ट्रलाई योग्यतापूर्वक नेतृत्व गरिरहनु भएको छ । उहाँको क्षमता, सक्रियता र नतिजामूलक कामसँग तुलना गर्ने अर्को कुनै नेता नेकपा (एमाले)मा छैन । अनि किन खोज्नु पर्‍यो नेतृत्वको विकल्प ? नेतृत्व भनेको रहरको बिषय पनि होइन । यो त इतिहास, योगदान, क्षमता र राष्ट्र तथा अन्तराष्ट्रमा स्वीकार्यताको बिषय पनि हो । म स्पष्ट भाषामा भन्न चाहन्छु, एघारौँ राष्ट्रिय महाधिवेशनबाट सर्वसम्मतिका साथ उहाँ नै अध्यक्षमा निर्वाचित हुनुहुन्छ । यस बिषयमा कोही पनि द्विविधामा रहन आवश्यक छैन ।

तपाईंले एघारौँ महाधिवेशनमा केपी ओलीको विकल्प छैन भन्ने निष्कर्ष प्रस्तुत गर्नुभयो । लामो समयदेखि उहाँसँग समिपमा रहेर काम पनि गर्नुभएको छ । यहाँले केपी ओलीलाई कसरी बुझ्नुहुन्छ ?

उहाँ समकालीन नेपाली राजनीतिको सर्वाधिक लोकप्रिय, सबैभन्दा भिजनरी, आफ्नो आस्था र उद्देश्यप्रति अविचलित, जनता र राष्ट्रको हितका विरुद्ध कहिल्यै र कसैसँग सम्झौता नगर्ने, आफूमा निहित योग्यता, उर्जा र सिङ्गो जीवनलाई जनता र राष्ट्रको हितमा समर्पण गर्नुभएका नेता हुनुहुन्छ । उहाँ हावाको तालमा बग्ने होइन कि आवश्यक पर्दा ‘एण्टी करेण्ट’ पनि उभिन सक्ने र जनताको मनमा बास बनाउन सक्ने नेता हो । तर जनताका बैरीका लागि भने उहाँ अत्यन्त कठोर हुनुहुन्छ ।

त्यस्तै मानिसको जीवनको मूल्य बुझेको, सबै उमेर समूह, सबै जाति, भाषा, संस्कृति र लिङ्गका नेपालीले उत्तिकै प्रिय ठान्ने तथा अन्तर्राष्ट्रिय जगतमा नेपालको इज्जत र मर्यादाको प्रतिनिधित्वका साथै नेपालको पक्षमा चैरवी गरी दुनियामा नेपाललाई चिनाउन र नेपालको प्रतिष्ठा बढाउन सक्ने नेताका रुपमा मैले चिनेको छु । उहाँ एकपटक देखेको, सुनेको र भोगेको प्रसङ्ग कहिल्यै नविसिने असाधारण स्मरण शक्ति भएको ‘इन्साक्लोपेडिया’ जस्तो विलक्षण प्रतिभाको पनि धनी हुनुहुन्छ । यसका साथै समस्त नेपालीको साझा आकांक्षा समुद्ध नेपाल, सुखी नेपाली हो भनेर शुलवद्ध गर्ने नेपाली विशेषताको समाजवादका स्वप्रदृष्टा एवं नेपालले विरलै प्राप्त गर्न सक्ने एक राजनेताका रुपमा मैले उहाँलाई बुझेको छु । मलाई लाग्छ सरलता र दृढता उहाँको जीवनका अभिन्न विशेषता हुन् । उहाँसँग सङ्गत गर्ने र सम्वaad गर्नुहरु असहमत हुन् त सक्तान तर उहाँबाट प्रभावित नहुने व्यक्ति भने विरलै छन् । अध्यक्ष ओलीमा अप्ठ्यारोलाई सजिलोसँग भोग्न सक्ने र सजिलोलाई सामान्य रुपमा लिन सक्ने असाधारण खुबी छ । त्यस्तै उहाँसँग परिस्थिति बुझे र समाधान खोज्ने विलक्षण क्षमता पनि छ । रासस

एनपिएलः काठमाडौँलाई हराउँदै जनकपुर बन्यो प्लेअफ पुग्रे पहिलो टोली

मधेशदृष्टि
वीरगंज ।

काठमाडौँ गुर्खाजमाथि सहज जित हासिल गर्दै जनकपुर बोल्ट्स नेपाल प्रिमियर लिग (एनपिएल) अन्तर्गत प्लेअफ पुग्रे पहिलो टोली बनेको छ । बिहीबार कीर्तिपुरस्थित लि्वि क्रिकेट मैदानमा सम्पन्न खेलमा जनकपुरले काठमाडौँलाई पाँच विकेटले हरायो । काठमाडौँले दिएको १०२ रनको सामान्य लक्ष्य जनकपुरले १५.३ ओभरमा पाँच विकेट गुमाउँदै पूरा गर्यो । यो नतिजासँगै जनकपुरले ६ खेलबाट १० अंक जोड्दै प्लेअफ स्थान सुरक्षित गरेको हो । जितसँगै जनकपुर सुदूरपश्चिम रोयल्सलाई उछिन्दै अंकतालिकाको शीर्ष स्थानमा समेत उक्लिएको छ । आफ्नो अन्तिम खेलमा विजयी प्राप्त गरे जनकपुरले पहिलो क्वालिफायरमा स्थान बनाउनेछ ।

हारले काठमाडौँलाई कठिन मोडमा ल्याएको छ । काठमाडौँले दुई खेल खेल्न बाँकी छ । काठमाडौँले प्लेअफ पुग्न दुवै खेल जिता पर्नेछ नै, पोखरा, चितवन र कर्णालीको नतिजामा पनि भर गर्नुपर्नेछ ।

जनकपुरको जितमा मध्यक्रमका ब्याटर जिमी निसमले १७ बलमा एक चौका र तीन छक्कासहित सर्वाधिक २७ रनको योगदान गरे । त्यस्तै चौथो नम्बरका ब्याटर हर्ष थाकले २५ रनको अविजित पारी खेल्दा ओपनर लाहिरे मिलन्याले १६ रन बनाए । यसैगरी सातौँ नम्बरका ब्याटर मोहमद मोशिन १३ रनमा अविजित रहँदा कप्तान अनिल शाहले ११ रन जोडे । ओपनर आसिफ शेख र पाँचौँ नम्बरमा आएका शुभ कशंकारले दोहोरो अंकमा रन जोड्न सकेनन् ।

काठमाडौँका लागि कप्तान करण केसीले तीन ओभरमा १० रन खर्चिदै सर्वाधिक दुई विकेट लिए । शाहव आलम, जेराई इरास्मस र दीपेश कँडेलको नाममा समान एक विकेट रह्यो ।

जनकपुरले ब्याटिङ पावरले (सुरुआती ६ ओभर)मा दुई विकेट गुमाएर ५२ रन जोड्दै मध्यम सुरुआत गरेको थियो । जनकपुरले पाँचौँ ओभरको तेस्रो बलमा पहिलो विकेट गुमायो । १६ रनमा ब्याटिङ गरिरहेका मिलन्यालाई कप्तान करणले विकेटकिपर राजु रिजालबाट स्टम्प आउट गरे । त्यही ओभरको अन्तिम बलमा आसिफ इरास्मसबाट क्याच भए । जनकपुरले तेस्रो विकेटको रुपमा कप्तान अनिल शाहलाई गुमायो । अनिललाई दीपेशले एलबिडब्ल्युको शिकार बनाए । स्कोरबोर्डमा सात रन थप्न नपाउँदै जनकपुरले अर्को विकेट गुमायो । १०औँ ओभरको चौथो बलमा शुभ साहवको बलमा दीपेशबाट क्याच



भए । शुभको विकेटपछि क्रिजमा आएका मोशिनले निशमसँग मिलेर पाँचौँ विकेटको लागि ३३ रनको साझेदारी गर्दै टोलीलाई सहज जितको बाटोतर्फ लगे । यसबीच काठमाडौँका लागि ११औँ ओभर महँगो सावित भयो । दीपेशको ओभरमा निशमले दुई चौका र एक छक्का प्रहार गर्दै पारीलाई उकासे । १४औँ ओभरको तेस्रो बलमा इरास्मस

विकेट गुमाएर ५२ रन जोड्दै मध्यम सुरुआत गरेको थियो । जनकपुरले पाँचौँ ओभरको तेस्रो बलमा पहिलो विकेट गुमायो । १६ रनमा ब्याटिङ गरिरहेका मिलन्यालाई कप्तान करणले विकेटकिपर राजु रिजालबाट स्टम्प आउट गरे । त्यही ओभरको अन्तिम बलमा आसिफ इरास्मसबाट क्याच भए । जनकपुरले तेस्रो विकेटको रुपमा कप्तान अनिल शाहलाई गुमायो । अनिललाई दीपेशले एलबिडब्ल्युको शिकार बनाए । स्कोरबोर्डमा सात रन थप्न नपाउँदै जनकपुरले अर्को विकेट गुमायो । १०औँ ओभरको चौथो बलमा शुभ साहवको बलमा दीपेशबाट क्याच

बाट एलबिडब्ल्युको शिकार बन्दासम्म निशमले आफ्नो काम गरिसकेका थिए । निशमपछि थाकर र मोशिन मिलेर जनकपुरलाई पाँचौँ जित दिलाए ।

त्यसअघि टस जितेर ब्याटिङको निर्णय गरेको काठमाडौँले १९.३ ओभरमा सबै विकेट गुमाएर १०३ रनको योगफल तयार गरेको थियो । काठमाडौँका लागि जेराई (इरास्मस)ले २२ बलमा दुई चौकासहित २० रनको योगदान गरे । त्यस्तै कप्तान करण केसीले १९ रन बनाउँदा ओपनर स्टेफन इस्कानाजीले १७ रन जोडे । अन्य खेलाडीले दोहोरो अंकमा रन बनाउन सकेनन् ।

काठमाडौँलाई कम रनमा रोक ललित राजवंशी र शेर मल्लले समान तीन विकेट लिए । ललितले चार ओभरमा दुई

मेडनसहित आठ रन खर्चिँदा शेरले ३.३ ओभरमा ११ रन खर्चिए । त्यस्तै मोहम्मद मोहसिनले चार ओभरमा २० रन खर्चिँदै दुई विकेट हासिल गर्दा किशोर महतो र अरनिको यादव नाममा एक विकेट रह्यो । कप्तान अनिलले पाँच खेलाडीलाई क्याचमार्फत पेभिलियनको बाटो देखाए । पावरप्लेमा दुई विकेट गुमाउँदै ३५ रन जोडेको काठमाडौँले बाँकीका १३.३ ओभरमा सात विकेट गुमाउँदै थप ६६ रन जोडेको हो । सुरुआती ६ ओभरमा काठमाडौँले ओपनर माइकल लेभिट र तेस्रो नम्बरका ब्याटर भिम सार्कीलाई गुमाएको थियो । तेस्रो ओभरको तेस्रो बलमा लेभिट किशोरको बलमा मोशिनबाट क्याच भए । लेभिटले आठ रनमा पेभिलियन फर्किए । जनकपुरले सातौँ ओभरमा अर्का ओपनर इस्कानाजी र सुमितलाई पेभिलियनको बाटो देखायो । पहिलो बलमा ललितले इस्कानाजीलाई एलबिडब्ल्युको शिकार बनाए । चौथो बलमा सुमित अनिलबाट क्याच भए । १२औँ ओभरको तेस्रो बलमा रसीद खान अरनिकोको बलमा अनिलबाट क्याच भए । सुमितले खाता नै खोल्न पाएनन् । रसीदले सात रनभन्दा धेरै बनाउन सकेनन् । दुई ओभरपछि डान डाउथवेट शेरको बलमा आसिफबाट क्याच हुँदा १५औँ ओभरको अन्तिम बलमा प्रतीक श्रेष्ठलाई ललितले बोल्ड गरे । डाउथवेटले एक रन बनाउँदा प्रतीक ६ रनमा आउट हुन पुगे । १६औँ ओभरमा काठमाडौँले आठौँ विकेटको रुपमा इरास्मसलाई गुमायो । इरास्मस मोहसिनको बलमा अनिलबाट क्याच भए । त्यसपछि आएका साहव आलमले करणसँग मिलेर नवौँ विकेटको लागि २७ रनको साझेदारी गरे । १९ औँ ओभरको पाँचौँ बलमा काठमाडौँले एक सय रन पूरा गर्यो । शेरको बलिङमा कपुरले अन्तिम ओभरमा करण र दीपेश कँडेलको विकेट लिँदै काठमाडौँलाई अलआउट गर्यो ।



मधेशदृष्टि
वीरगंज ।

हेटौँडा उपमहानगरपालिका-१४ का गोकुल ढुङ्गाना टाटा सुमोमा कोचिएर बल्बु-सिस्नेरीको बाटो हुँदै हेटौँडासम्मको धेरैपटक यात्रा गरेका छन् । चाडपर्वको समयमा त चालकसहितको ११ सिटको टाटासुमोमा कोचिएर १३ जनाले पनि यात्रा गरेको उनलाई हिजो जस्तै लाग्छ । अहिले यही रुटमा भने सार्वजनिक विद्युतीय सवारीसाधन 'इभी हाइस' सञ्चालन भएदेखि उनीजस्तै धेरै यात्रुले केही हदसम्म भए पनि सहज महसुस गर्दै आइरहेका छन् । 'टाटा सुमोमा तीन जनाको सिटमा कोचिएर चार जना यात्रुले यात्रा गर्दा निकै सकस हुन्थ्यो', यात्रु ढुङ्गानाले भने, 'अहिले त छिटफुट रुपमा चल्ने इभी हाइसले तुलनात्मक रुपमा धेरै सहज बनाएको छ । यसले त कम्तीमा सिट सख्या अनुसारकै यात्रु ओसारने भएकाले पनि राहतको महसुस भइरहेको छ ।' उनी इन्धनबाट चल्ने टाटा सुमो र विद्युत्बाट चल्ने इभी हाइसको भाडा उस्तै हुँदा भने मन खिन्न भएको बताउँछन् । 'इभी गाडी चढेपछि त यो रुटको भाडा घट्ला भन्ने लागेको थियो तर अहिले पनि भाडा उस्तै छ', उनले भने, 'इभी र अन्य गाडीको उस्तै भाडा त व्यावहारिक भएन नि !' ढुङ्गाना मातै होइन, अधिकांश यात्रु पछिल्लो समय काठमाडौँ-हेटौँडा-वीरगंज रुटमा टाटासुमोभन्दा इभी हाइसमा यात्रा गर्न सहज मात्र थालेका छन् । वीरगंज महानगरपालिका-१६ नगवाका राधेकृष्ण कुशवाहा पनि भरसक इभी हाइसमा नै यात्रा गर्ने बताउँछन् । 'टाटासुमोमा धेरैपटक अटेसमटेस हुँदै यात्रा गर्थ्यौं । तर बिजुली बसमा यात्रा गर्दा छुट्टै खालको अनुभव हुने रहेछ', उनले भने, 'न त आवाज नै आउने, नत वातावरण नै प्रदुषण हुने । स्वदेशमा नै उत्पादन भएको बिजुलीबाट चल्ने भएकाले पनि धेरैको रोजाइको विषय बनेको छ ।'

टाटा सुमो र इभी हाइसको एउटै भाडा हुनु भने दुर्भाग्य रहेको उनी बताउँछन् । 'बिजुलीबाट चल्ने गाडी र टाटा सुमोको एउटै भाडादर हुनु कति पनि सुहाएको जस्तो देखिन्न', उनले भने, 'यसमा कम्तीमा पनि राज्यले हस्तक्षेप गरेर छुट्टै भाडा दर तोक्न जरुरी भइसकेको छ ।' डेढ वर्षदेखि वीरगंज-हेटौँडा-काठमाडौँ रुटमा बागमती प्रदेश ००१ ज ४३३ नम्बरको ११ सिट इभी हाइस चलाउँदै आएका सवारीचालक अनिल लामाले यो रुटमा इभी हाइस सञ्चालनमा कुनै पनि समस्या नरहेको बताउँछन् । 'वीरगंज-हेटौँडा हुँदै काठमाडौँको बल्बुसम्म ओहोरदोहोर गर्नका लागि एक हजार १०० को चार्जिङले पुगिहाल्छ', उनले भने, 'पछिल्लो समय यो

रुटमा इभी हाइस सवारीसाधन थप्ने क्रम बढिरहेको छ ।' चालक लामाको परिवारले गत डेढ वर्षअघि चारवटा इभी हाइस किनेर सञ्चालन गर्दै आइरहेको छ । '४५ लाख रुपैयाँ खर्चेर केवाइसी इभी हाइस विद्युतीय गाडी किन्यौं । यसमा डाइभर सिटसहित ११ सिट हुने गर्छ ।' एघार सिट इभी हाइसले बल्बुदेखि-हेटौँडा-वीरगंजसम्मको यात्रु पाएको खण्डमा मासिक दुई लाखको हाराहारीमा आम्दानी गर्ने गर्छन् । 'सिट क्षमताअनुसारको यात्रु पाउने हो भने त कमाई राम्रै छ', उनले भने, 'सबै खर्च कटाएर दैनिक ६५ सय बचत हुँदै आइरहेको छ ।' यो रुटका वीरगंज-हेटौँडा-बल्बु रुटमा चल्ने इभी हाइसले आठ सय ५० रुपैयाँ भाडा लिने गर्छन् । त्यस्तै टाटा सुमोको भाडा पनि सोही आठ सय ५० रुपैयाँ नै छ । पेट्रोलियम पदार्थबाट चल्ने सार्वजनिक सवारीसाधनको तुलनामा विद्युतीय सवारीसाधनको लागत खर्च पनि धेरै कम हुने गर्छ तर इभीका सवारीसाधनको भाडा भने उस्तै छ । सर्वसाधारणले इभी र पेट्रोलियम पदार्थबाट चल्ने सवारीसाधनको फरक अनुभूति भने गर्न पाइरहेका छैनन् । यही रुटमा चल्ने टाटा सुमोका लागि भने दैनिक आउजाउ गर्न मातै पाँच हजारदेखि ५५ सयसम्मको सम्मको इन्धन खर्च लाग्ने दाबी गर्छन् ।

नेपाल विद्युत् प्राधिकरणका प्रवक्ता चन्दनकुमार घोसले सार्वजनिक विद्युतीय सवारीसाधनतर्फ सर्वसाधारणको आकर्षण बढे पनि भाडा दर उस्तै हुँदा यात्रुले फरक अनुभूति गर्न नपाएको बताउँछन् । 'पेट्रोलियम पदार्थबाट चल्ने सार्वजनिक सवारीसाधन र बिजुलीबाट चल्ने सार्वजनिक सवारीसाधनको खर्च धेरै कम छ', उनले भने, 'विद्युतीय सार्वजनिक सवारीसाधनले भाडा उस्तै राख्दा पनि सर्वसाधारणको सोतर्फ आकर्षणलाई अझै बढाउन सकिने थियो ।' नेपाल यातायात व्यवसायी राष्ट्रिय महासङ्घका अध्यक्ष विजय स्वॉरले विद्युतीय माइक्रोबस, हाइस र सानो माइक्रोलगायतका सवारीसाधन थपिने क्रम बढ्दै गइरहेको बताउँछन् । 'सार्वजनिक यातायात पनि विद्युतीय गाडीमा जानुपर्छ भन्नेमा महासङ्घ सकारात्मक नै छ । लगानीकर्ताले लगानी गरिसकेपछि लगानीको संरक्षण हुनैपर्ने हुन्छ ।' उनले भने, 'हामी पनि सकभर इभी गाडीमा जानेतर्फ सकारात्मक भइरहेका छौं ।'

विद्युतीय सार्वजनिक सवारीसाधनमा इन्धन खर्च ह्वातै घटे पनि सार्वजनिक सवारीसाधनको भाडा भने घटाएका छैनन् । सर्वसाधारणले विद्युतीय सार्वजनिक सवारीसाधन र इन्धनबाट चल्ने सवारीसाधनको भाडा उस्तै तिर्दै आइरहेका छन् । यातायात व्यवस्था विभागले सहरी क्षेत्रमा चल्ने विद्युतीय र इन्धनबाट चल्ने ट्याक्सीको

भाडादर छुटाछुट्टै दर कायम गर्दै आइरहेको छ । तर अहिलेसम्म सार्वजनिक विद्युतीय सवारीसाधनको भाडा भने कायम गर्न सकिरहेको छैन । नेपाल यातायात व्यवसायी राष्ट्रिय महासङ्घका अध्यक्ष स्वॉर विद्युतीय सार्वजनिक सवारीसाधनको लागत धेरै र यसको हसकट्टी छोटो समयमा हुने भएकाले पनि अपेक्षाकृत रुपमा भाडा घटाउन नसकिएको बताउँछन् । 'इन्धनबाट चल्ने सार्वजनिक सवारीसाधन दुक्कले २० वर्षसम्म चल्न सक्छन्', उनले भने, 'विद्युतीय सवारीसाधनको ब्याट्रीको आयु नै पाँच वर्षको हुनेगर्छ । अर्काैतर्फ विद्युतीय सवारीसाधनको हसकट्टी पनि इन्धनबाट चल्ने भन्दा धेरै कम हुने गर्छ । त्यसैले पनि भाडा सस्तो हुन सकिरहेको छैन ।'

विद्युतीय भन्दा इन्धनकै सवारीसाधन उच्च

वीरगंज भन्सार कार्यालय हुँदै आर्थिक वर्ष २०८०/८१ मा विद्युतीय सवारी साधनभन्दाको तुलनामा इन्धनबाट चल्ने धेरै सवारीसाधन आयात बढी भएका छन् । कार्यालयका अनुसार गत आवमा नाका हुँदै एक हजार चार सय ३५ वटा इन्धनबाट चल्ने जीप, कार र भ्यानइह आयात भएकामा सोही अवधिमा यो नाका हुँदै पाँच सय ११ वटा विद्युतीय सवारी आयात भएको छ । यो नाका हुँदै गत आवमा दुई अर्ब १९ करोड ८९ लाख ९९ हजार रुपैयाँ बराबरका इन्धनबाट चल्ने एक हजार चार सय ३५ वटा जीप, कार र भ्यान आयात भएका छन् । ती सवारीसाधन आयात हुँदा भन्सार कार्यालयले चार अर्ब ९६ करोड ९२ लाख १८ हजार रुपैयाँ राजस्व आम्दानी गरेको छ । आव २०७९/८० मा भने यो कार्यालय हुँदै एक अर्ब ७८ करोड ८७ लाख ६७ हजार मूल्य बराबरको एक हजार एक सय ४९ वटा जीप, कार र भ्यान आयात भएका थिए । ती सवारीसाधन आयात हुँदा राज्यले चार अर्ब नौ करोड ५९ लाख १३ हजार रुपैयाँ राजस्व आम्दानी गरेको थियो । आव २०७९/८० को तुलनामा आव २०८०/८१ मा दुई सय ८६ वटा बढी इन्धनबाट चल्ने जीप, कार र भ्यान आयात भएको एक हजार एक सय ४९ वटा जीप, कार र भ्यान आयात भएका छन् । ती सवारीसाधन आयात हुँदा कार्यालयले ५८ करोड १३ लाख १३ हजार मातै राजस्व सङ्कलन गरेको छ । कार्यालयका अनुसार आव २०७९/८० मा यो भागमा कार्यालय हुँदै एक अर्ब ५३ करोड मूल्य पर्ने तीन सय छ वटा विद्युतीय जीप, कार र भ्यान आयात भएका थिए । सो आवमा यो कार्यालयले भन्सारवापत ६० करोड ८८ लाख ६२ हजार रुपैयाँ सङ्कलन गरेको थियो । रासस